Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/एडी0/119/15-17

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 133
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

मंत्र भारत

लखनऊ-शुक्रवार,12 सितम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 श्रद्धा ही सच्चा श्राद्ध व सच्ची श्रद्धांजलि है :महंत विशाल | 4 वसुधैव कुटुम्बकम की जीवंत प्रतिमूर्ति और समाज को | 5 कुनिका सदानंद के सपोर्ट में आई शिखा मल्होत्रा

वाराणसी में बोले पीएम

'भारत-मॉरीशस केवल साझेदार नहीं, बल्कि परिवार'

वाराणसी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए बृहस्पतिवार को वाराणसी पहुंचें। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। मोदी ने मॉरीशस के प्रधानमंत्री के साथ बातचीत के बाद कहा, भारत और मॉरीशस दो राष्ट्र हैं, लेकिन हमारे सपने और नियति एक हैं। इस वर्ष हम सर शिवसागर रामगुलाम की 125वीं जयंती मना रहे हैं। वे न केवल मॉरीशस के राष्ट्रपिता थे, बल्कि भारत और मॉरीशस के बीच अटूट सेतु के संस्थापक भी थे। उनकी जयंती हमें अपने संबंधों को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए प्रेरित करती रहेगी प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में वाराणसी की सड़कों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं ने जगह-जगह पोस्टर लगाए। कई महिला कार्यकताओं को प्रधानमंत्री जिंदाबाद के नारे लगाते भी देखा गया। इससे पूर्व एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी और डॉ. रामगुलाम द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे, जिसमें विकास साझेदारी और दक्षता विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वाराणसी का यह दौरा मॉरीशस के प्रधानमंत्री की 9 से 16 सितंबर तक की भारत यात्रा का हिस्सा है। कार्यक्रम के अनुसार, रामगुलाम बृहस्पतिवार शाम को गंगा आरती में भाग लेंगे और शुक्रवार सुबह काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करेंगे। गणमान्य अतिथि का भव्य स्वागत किया गया। आम जनता और भाजपा कार्यकर्ता हवाई अड्डे से होटल ताज तक पूरे मार्ग पर स्वागत के लिए खड़े रहे। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने संवाददाताओं से कहा, द्विपक्षीय बैठक के बाद, मॉरीशस का प्रतिनिधिमंडल गंगा आरती में भाग लेगा और काशी विश्वनाथ मंदिर जाएगा। दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों पर आधारित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाएगा। भाजपा के स्थानीय मीडिया प्रभारी अरविंद मिश्रा ने कहा कि काशी में प्रधानमंत्री मोदी की किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ यह पहली औपचारिक द्विपक्षीय बैठक होगी। उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब भारत के आस-पास के देशों में राजनीतिक उथल-पुथल है, भारत अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत शिंजो आबे की मेजबानी की थी, लेकिन यह पहली बार है जब काशी में किसी राष्ट्राध्यक्ष के साथ औपचारिक वार्ता हो रही है। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत में वाराणसी शहर को बड़े-बड़े होर्डिंग्स और बैनरों से सजाया गया है। भाजपा ने वाराणसी सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में भी बैनर लगाए हैं, जिनमें दूध और डेयरी उत्पादों पर जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया गया है। यह शहर पहले भी G20 बैठकों और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत शिंजो आबे, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जैसे गणमान्य अतिथियों की मेजबानी कर चुका है।

भारत आतंक के वैश्विक अभिशाप को मिटाने के लिए प्रतिबद्धः सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 11 सितंबर 2001 मानवता के इतिहास का वह काला अध्याय, जब निर्दोष जीवन कायरतापूर्ण आतंकी हमले की भेंट चढ़ गए। योगी ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले की बरसी पर कहा कि भारत आतंक के वैश्विक अभिशाप को मिटाने के

लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री योगी ने आज सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि यह हमला पूरी मानव सभ्यता की शांति, विश्वास और मानवीय मूल्यों पर निर्मम प्रहार था। योगी ने कहा कि उस भीषण त्रासदी में काल-कवलित सभी दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि और उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा है कि भारत आतंक के इस वैश्विक अभिशाप को जड़ से मिटाकर ऐसा संसार बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां भय नहीं, केवल शांति, भाईचारा और मानवता का प्रकाश हो। गौरतलब है कि 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के नॉर्थ टावर और पेंटागन पर हुए आतंकी हमलों ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। इस हमले में काफी लोग मारे गए थे। इन हमलों के पीछे ओसामा बिन लादेन और उसका आतंकी संगठन अल-कायदा था। 2011 में जब अमेरिकी कमांडो ने उसे एबटाबाद में मार गिराया, तो दुनिया ने राहत की सांस ली।

दिल्ली में टला बाढ़ का खतरा, डेंजर लेवल से नीचे आये यमुना का जलस्तर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर बृहस्पतिवार सुबह आठ बजे कम होकर 204.49 मीटर पर आ गया। कई दिनों तक यह चेतावनी के स्तर 204.50 मीटर से ऊपर रहा था। एक अधिकारी ने बताया कि स्थिति पर करीब से नजर रखी जा रही है और पूर्वानुमान के अनुसार नदी का जलस्तर और कम होगा। सुबह सात बजे जलस्तर 204.52 मीटर पर दर्ज किया गया था। इस महीने की शुरूआत में यमुना नदी का जलस्तर इस मानसून के मौसम में अपने चरम पर पहुंच गया था, जो निकासी के निशान से 207 मीटर ऊपर था, जिसके कारण नदी के निचले इलाकों में चुनौतीपूर्ण स्थिति पैदा हो गई थी। हथिनीकुंड और वजीराबाद बैराज से पानी छोड़े जाने को यमुना में उफान का एक प्रमुख कारण बताया गया। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से इस समय हर घंटे लगभग 25,139 क्यूसेक पानी और वजीराबाद बैराज से 42,440 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बैराज से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं। ऊपरी धारा से कम पानी छोड़े जाने पर भी जलस्तर बढ़ रहा है। दिल्ली में नदी के जलस्तर का चेतावनी चिह्न 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है तथा 206 मीटर पर ही लोगों की निकासी शुरू हो जाती है।

फूलचट्टी से जानकीचट्टी तक सड़क का 200 मीटर हिस्सा ध्वस्त

यात्रा शुरू होने पर बना है संशय

बड़कोट (उत्तरकाशी) (एजेंसी)। फूलचट्टी से जानकीचट्टी को जोड़ने वाली सड़क पर यमुना नदी के कटाव से करीब 200 मीटर हिस्सा पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। इससे यमुनोत्री धाम की यात्रा शुरू होने पर संशय बना हुआ है। अभी इससे पीछे जंगलचट्टी में सड़क 18 दिन बाद भी सुचारू नहीं हो पाया है। वहीं दूसरी ओर बाडिया और सिलाई बैंड के समीप भी लगातार सड़क बंद और खुलने का सिलसिला जारी है। यमुनोत्री धाम की सुगम और सुरक्षित यात्रा को लेकर शासन-प्रशासन भले ही कुछ भी दावे करे लेकिन मानसून के बाद दूसरे दौर की यात्रा का संचालन करवाना अभी भी चुनौती बना है। यमुनोत्री हाईवे सिलाई बैंड, बाडिया के नीचे, हनुमान चट्टी से फूलचट्टी के बीच कहीं जगहों पर सुचारू करना जोखिम भरा है। वहीं उसके बाद भी फूलचट्टी से जानकीचट्टी जोड़ने वाली लोक निर्माण विभाग की सड़क करीब 200 मीटर से अधिक यमुना नदी के कटाव से ध्वस्त हो गई है। इसके साथ ही कई जगहों पर

तो सड़क का नामोनिशान नहीं है। ऐसे में यमुनोत्री धाम की यात्रा के सफल संचालन को लेकर संशय बना हुआ है। हालांकि एनएच के एई धीरज गुप्ता कहते हैं कि सब कुछ ठीक रहा तो एनएच अपनी सीमा फूलचट्टी तक अगले दो दिनों में हाईवे को दुरुस्त कर वाहनों के लिए खुलने की उम्मीद है। फूलचट्टी से आगे ध्वस्त हुई सड़क को लेकर लोनिवि के ईई तनुज कम्बोज कहते हैं कि सड़क सुधारीकरण का प्रयास किया जा रहा है। उक्त सड़क जल्द ही एनएच को हस्तांतरित की जानी है।

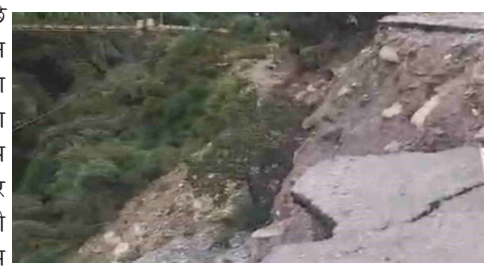

लखनऊ एयरपोर्ट पर फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन सुविधा शुरू

अमित शाह ने किया शुभारंभ

लखनऊ (एजेंसी)। राजधानी के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों को फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रैवलर प्रोग्राम (एफटीआई-टीटीपी) की सुविधा शुरू हो गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर इसके काउंटरों का वर्चुअल अनावरण किया। यह सुविधा भारतीय पासपोर्ट और ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया कार्डधारकों के लिए शुरू की गई है। इससे इमिग्रेशन काउंटरों पर भीड़ कम होगी और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को जल्द निकासी मिलेगी। गृह मंत्रालय ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय और इमिग्रेशन ब्यूरो के साथ मिलकर इस योजना को तैयार किया है। यात्रियों को आधिकारिक पोर्टल ीजजचेरू ध्ध्जिपजजच. डीं.हवअ. पदध्जजपध पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इमिग्रेशन ब्यूरो आवेदनों का सत्यापन करेगा। योग्य यात्रियों को शिवश्वसनीय यात्रीश सूची में शामिल किया जाएगा। स्वीकृत यात्रियों को एफआरआरओ कार्यालय या एयरपोर्ट काउंटर पर बायोमेट्रिक नामांकन कराना होगा। 11 सितंबर से यह सुविधा शुरू हो गई है। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, इस कार्यक्रम से यात्रियों का अनुभव सहज और सुरक्षित होगा। एफटीआई-टीटीपी भारत सरकार द्वारा बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण के माध्यम से शासन को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस महत्वाकांक्षी पहल का उद्देश्य भारतीय नागरिकों और ओसीआई कार्डधारकों के लिए इमिग्रेशन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है, जो सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करते हुए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय और आव्रजन ब्यूरो के सहयोग से एफटीआई-टीटीपी के लिए रोडमैप तैयार किया है। इच्छुक व्यक्तियों को आधिकारिक सरकारी पोर्टल ीजजचेरूध्ध्जिपजजच .डीं.हवअ. पदध्जिपध के माध्यम से अपना विवरण और आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। जमा करने के बाद आवेदनों का सत्यापन किया जाता है और ई-गेट्स पर सुचारू प्रसंस्करण के लिए शिवश्वसनीय यात्रियों की एक श्वेत सूची बनाई जाती है।

कासरगोड में बूम लिफ्ट क्रेन से गिरकर दो मजदूरों की मौत

केरल (एजेंसी)। के कासरगोड जिले के मोगरलपुथुर में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर बृहस्पतिवार दोपहर स्ट्रीट लैंप की बंद लाइटें बदलते समय बूम लिफ्ट क्रेन से गिरकर दो श्रमिकों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान अक्षय (30) और अश्विन (26) के रूप में हुई है। दोनों कोझीकोड जिले के वडकारा के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि वे वडकारा स्थित राजमार्ग निर्माण कार्य का ठेका लेने वाली एक कंपनी में कार्यरत थे। हादसा उस समय हुआ जब जिस बूम लिफ्ट पर दोनों खड़े थे, उसका एक हिस्सा टूट गया जिससे दोनों काफी ऊंचाई से गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि अक्षय की नजदीकी अस्पताल में मौत हो गई, जबकि अश्विन को मंगलुरु के एक अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। घटना की जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव उनके परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

बिहार के किसानों की आय बढ़ा रहा पशुपालन, ग्रामीण क्षेत्रों में आई समृद्धि

बिहार (एजेंसी)। बिहार पशुपालन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब बिहार के लोग पशुपालन जीवन-निर्वहन के लिए नहीं बल्कि स्वरोजगार पाने के लिए कर रहे हैं। इसमें बिहार सरकार का पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग उनका सहयोग कर रहा है। विगत पांच वर्षों में पशुपालन के लिए राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से करीब 250 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। जिसका लाभ अब ग्रामीण इलाकों में देखने को मिल रहा है। पशुपालन के जरिए खासकर महिलाएं स्वरोजगार पाकर सशक्त हो रही है। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग गाय और भैंस पालन से संबंधित कई योजनाओं का संचालन कर रहा है।

'हाइड्रोजन बम आएगा, सारा का सारा साफ हो जाएगा'

रायबरेली में फिर बोले राहुल गांधी

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में हैं। बृहस्पतिवार को दिशा की बैठक में शामिल होने के बाद जब वो बाहर निकले तो मीडिया को बयान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग बहुत आंदोलित हो रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब हाइड्रोजन बम आएगा तो सब साफ हो जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में वोट चोरी करके सरकारें बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक के चुनाव में वोट चोरी हुई है। हमने ब्लैक एंड व्हाइट सबूत दिए हैं। इंतजार कीजिए बहुत जल्द वोट चोरी के और खुलासे आने वाले हैं। भाजपा वाले परेशान न हों, वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने वाला है। सारा सब कुछ साफ हो जाएगा। कांग्रेस सांसद का आरोप, चुनाव आयोग ने एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए राहुल गांधी बुधवार शाम ऊंचाहार पहुंचे। वहां बूथ अध्यक्षों से मिलकर लोकसभा चुनाव में भारी मतों के अंतर से जीत दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इस दौरान उनके निशाने पर चुनाव आयोग रहा। उन्होंने कहा कि भाजपा वोट चोरी कर चुनाव जीती है। लोकसभा चुनाव के बाद चुनाव आयोग ने देश में एक करोड़ फर्जी वोट बढ़ाए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के बल पर ही कांग्रेस आगे बढ़ रही है। हम आप सभी के बदौलत परिवर्तन करेंगे। एक रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में राहुल गांधी के पहुंचते ही कांग्रेस पदाधिकारियों, प्रदेश सचिव अतुल सिंह ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। मंच पर पहुंचते ही पूर्व विधायक अजय पाल सिंह ने संविधान की किताब भेंट की। राहुल गांधी ने अपने 'वोट चोर गद्दी छोड़ मिशन' पर कार्यकताओं में जोश भरा और वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगवाए।

नड्डा ने मलेरिया-डेंगू की स्थिति की समीक्षा की, मुख्यमंत्रियों से कहा- 20 दिनों में बनाएं कार्य योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में हुई भारी के कारण जगह-जगह पानी जमा हो गया है, जिससे मच्छरों को पनपने का मौका मिल गया है। इसे देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने सभी मुख्यमंत्रियों को एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में कहा गया है कि सभी मुख्यमंत्री डेंगू और मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बीस दिनों के भीतर एक कार्ययोजना तैयार करें। नड्डा ने बुधवार को देश में डेंगू और मलेरिया की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इस दौरान नड्डा ने राज्यों, स्थानीय निकायों और समुदायों से कहा कि वे इस उच्च जोखिम वाले समय में जनस्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए रोकथाम और नियंत्रण के उपायों को और तेज करें, ताकि मच्छरजनति बीमारियों के दबाव कम करने में जो उपलब्धि हासिल हुई है, वह बनी रहे। '20 दिनों के भीतर कार्य योजना बनाएं राज्यों के स्वास्थ्य मंत्री' नड्डा ने कहा कि मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों को रोकने के लिए जल्दी और मिलकर काम करना बहुत जरूरी है।

बिहार में जिलों के समग्र विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

पटना (एजेंसी)। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (DARPG), बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन सोसाइटी और सामान्य प्रशासन विभाग, बिहार सरकार के संयुक्त तत्वावधान में जिलों के समग्र विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ आज पटना स्थित होटल ताज सिटी सेंटर में हुआ। देशभर से आए 200 से अधिक प्रतिनिधियों जिलाधिकारी, नीति निमार्ता, नवाचारकर्ता और संस्थागत प्रमुखों–ने इस मंच पर भाग लिया। दिन की शुरूआत दो तकनीकी सत्रों से हुई, जिनमें प्रधानमंत्री पुरस्कार प्राप्त और नामांकित पहलों को प्रस्तुत किया गया। पहला सत्र श्री पुनीत यादव, अपर सचिव, DARPG की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, जिसमें UIDAI, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश की नवाचारी योजनाओं पर चर्चा हुई।

राजनाथ सिंह ने रवाना किया 'समुद्र प्रदक्षिणा', दुनिया में बजेगा नारी शक्ति का डंका

मुंबई (एजेंसी)। नारी शक्ति और विकसित भारत के विजन को याद करते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से दुनिया के पहले ऐतिहासिक त्रि-सेवा महिला परिक्रमा नौकायन अभियान, समुद्र प्रदक्षिणा को वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साउथ ब्लॉक से अपने संबोधन में, रक्षा मंत्री ने इस यात्रा को नारी शक्ति, तीनों सेनाओं की सामूहिक शक्ति, एकता और संयुक्तता, आत्मनिर्भर भारत और उसकी सैन्य

कूटनीति और वैश्विक दृष्टिकोण का एक ज्वलंत प्रतीक बताया। अगले नौ महीनों में, 10 महिला अधिकारी स्वदेश निर्मित भारतीय सेना नौकायन पोत (कअरश) त्रिवेणी पर सवार होकर लगभग 26,000 समुद्री मील की दूरी तय करते हुए पूर्वी मार्ग पर यात्रा करेंगी। वे भूमध्य रेखा को दो बार पार करेंगी, तीन महान अंतरीपों - लीउविन, हॉर्न और गुड होप - का चक्कर लगाते हुए सभी प्रमुख महासागरों और दक्षिणी महासागर और ड्रेक पैसेज सहित कुछ सबसे खतरनाक जलक्षेत्रों को कवर करेंगी। मई 2026 में मुंबई लौटने से पहले टीम चार अंतर्राष्ट्रीय बंदरगाहों का दौरा भी करेगी।

ई20 पर भ्रम फैला रही 'पेट्रोल लॉबी'

'पैसे देकर कराया गया दुष्प्रचार' :गडकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को पेट्रोलियम क्षेत्र पर सरकार के इथेनॉल-मिश्रित ईंधन के लिए प्रयास के खिलाफ लॉबिंग करने का आरोप लगाया और कहा कि निहित स्वार्थी तत्व इस बदलाव को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। गडकरी ने ई20 (20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल) को लेकर सोशल मीडिया पर बढ़ती चिंताओं पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर जगह लॉबी हैं, हित हैं... पेट्रोल लॉबी बहुत अमीर है। उनकी यह टिप्पणी नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के 65वें वार्षिक सम्मेलन में आई। गडकरी ने कहा कि ई20 पेट्रोल रोलआउट कार्यक्रम को लेकर उनके खिलाफ एक भुगतान किया गया राजनीतिक अभियान चलाया गया था, जो अब झूठा साबित हो गया है। गडकरी ने इरक्श से इरश्कउत्सर्जन

मानदंडों में बदलाव में वाहन निमार्ताओं की भूमिका के लिए उनका धन्यवाद किया और आश्वासन दिया कि भारत इरश्कऔर उअत्र्ह मानकों को लागू करने के मामले में वैश्विक स्तर पर कदम बढ़ाता रहेगा। भविष्य की बात करें तो उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 के अंत तक भारत की लॉजिस्टिक्स लागत घटकर सकल घरेलू उत्पाद के 9% पर आ जाएगी। गडकरी ने कहा कि उन्होंने वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि वे पुराने वाहनों को हटाकर नई कार खरीदने वाले ग्राहकों के लिए जीएसटी राहत पर विचार करें।

मंत्र भारत

पूर्वांचल

लखनऊ-शुक्रवार,12 सितम्बर 2025

अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आज जयपुर दौरे पर

नई दिल्ली: अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री आज एक दिवसीय दौरे पर जयपुर पहुंचे। श्री वैष्णव गुरुवार को सुबह स्पेशल ट्रेन से रेवाड़ी-खातीपुरा रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए खातीपुरा स्टेशन पहुंचे। रेल मंत्री ने खातीपुरा स्टेशन में बन रहे ट्रेन मेंटिनेंस शेड के मॉडल का अवलोकन किया । इस दौरान माननीय मंत्री जी के साथ श्रीमती मंजू शर्मा, सांसद/जयपुर और श्री गोपाल शर्मा, विधायक (सिविल लाइंस) भी उपस्थित रहे। मीडिया से वार्ता के दौरान माननीय रेल मंत्री ने खातीपुरा मेंटेनेंस शेड की विस्तृत

जानकारी दी । रेल मंत्री ने वंदे भारत सहित अन्य ट्रेनों की अनुरक्षण के लिए कोच केयर कंपलेक्स जयपुर में अनुरक्षण सुविधाओं के विस्तार हेतु नवनिर्मित शेड का उद्घाटन किया। उन्होंने शेड में बने 4 टियर प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया तथा यात्री सुविधाओं में वृद्धि के अंतर्गत कोच में किए गए ट्रॉयलेट मॉडीफेशन और ब्रेक वान में किए गए मॉडीफेशन का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने इसके पश्चात अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किये जा रहे जयपुर स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की भव्यता की प्रशंसा की और कहा कि यह पूरे जयपुर के लिए गौरव का बात है कि स्टेशन के सेकंड एंट्री के पुनर्निर्माण का कार्य बहुत तेजी से और सुचारू रूप से चल रहा है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही बीकानेर-दिल्ली और जोधपुर-दिल्ली वंदे भारत ट्रेन का संचालन शुरू किया जा रहा है। साथ ही जैसलमेर और दिल्ली के मध्य भी एक ओवरनाइट ट्रेन का संचालन शीघ्र प्रारंभ किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने जयपुर वासियों, मीडिया प्रतिनिधियों और जन प्रतिनिधियों से कहा कि वे आपस में इस बात पर विचार करे कि जयपुर के आसपास के स्टेशनों के नाम में जयपुर शब्द को जोड़ा जाए जैसे गांधीनगर में जयपुर गांधीनगर, खातीपुरा को जयपुर खातीपुरा के रूप में नामकरण किया जाए। और इस प्रस्ताव को अपने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से केंद्र में भिजवाएं। साथ ही श्री अश्विनी वैष्णव ने सीमावर्ती क्षेत्रों में रेल नेटवर्क को और मजबूत बनाने की बात कही। उन्होंने शहर के रेल फाटकों को समाप्त करने की योजना के तहत अंडरपास और रोड ओवर ब्रिज बनाने के लिए भी दिशा निर्देश प्रदान किए।

लोको पायलट की मौत मामले में नया मोड़, युवती पहुंची एसपी ऑफिस

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले में बीते मंगलवार को लोको पायलट की पीटकर हत्या कर दी गई थी। सूचना पाकर मौके पर जीयनपुर पुलिस भी पहुंच गई थी। इस मामले में एक युवती सामने आई और एसपी ऑफिस में अपना बयान दर्ज कराया। आजमगढ़ के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के नौशहरा निवासी लोको पायलट दुर्गेश कुमार की मौत के मामले ने गुरुवार को नया मोड़ ले लिया। जिस युवती से संबंध होने की चर्चा थी, वह सामने आई और एसपी ऑफिस पहुंचकर खुद को पीड़िता बताते हुए पूरे मामले में कई गंभीर आरोप लगाए। युवती ने कहा कि लोको पायलट के परिवार वाले संपन्न और प्रभावशाली हैं, जबकि मेरा परिवार गरीब है। पिता की थोड़ी सी मदद कर दुर्गेश ने हमसे संपर्क बनाया और लगातार बात करने के लिए दबाव डालता रहा। उसकी मनमानी के चलते तीन साल तक संबंध बनाए गए। पीड़िता का कहना है कि मृतक लोको पायलट बार-बार कॉल और मैसेज कर दबाव बनाता था। जब उसकी मनमानी नहीं चली तो आत्महत्या करने की धमकी देने लगा। आखिरकार उसने खुदकुशी कर ली। युवती ने साफ किया कि इस मामले में आरोपी बनाए गए ज्ञानेंद्र मिश्रा का कोई रोल नहीं है। वह केवल दोनों पक्षों के परिचित होने के कारण समझाने गए थे, लेकिन प्रभावशाली परिवार के दबाव में निर्दोष लोगों को फंसाकर जेल भेजा गया है। पीड़िता ने एसपी ऑफिस पहुंचकर न्याय की गुहार लगाते हुए कहा कि उसके परिवार को गलत तरीके से प्रताड़ित किया जा रहा है।

मिनी किट के लिए करना होगा ऑनलाइन आवेदन

बस्ती। जिले के किसानों को दलहन, तिलहन आदि फसलों की पैदावार के लिए अब उन्नतिशील बीज मैनुअल आवेदन पर नहीं मिलेगा। इसके लिए किसानों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। उप कृषि निदेशक अशोक कुमार गौतम ने बताया कि किसानों को बीज मिनी किट के विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। इसके माध्यम से किसानों का चयन होगा। चयनित किसानों को ही वितरण समारोह के दौरान मिनी किट देकर लाभान्वित किया जाएगा।

नदी में लापता युवक का नहीं चला पता

बस्ती। चंद्रग्रहण वाले दिन सरयू में स्नान करने अयोध्या गया युवक नहाते समय लापता हो गया। परिजन चार दिन से उसकी तलाश कर रहे हैं। अयोध्या पुलिस प्रशासन की ओर से नाव व एसडीआरएफ को युवक की तलाश में लगाया गया है। परिजन खुद से कलवारी तक सरयू नदी में तलाश कर चुके हैं। राजकीय आईटीआई के रिटायर्ड अनुदेशक व आवास विकास कॉलोनी निवासी मधुर नारायण पांडेय का छोटा बेटा अभिषेक कुमार पांडेय सात सितंबर की रात करीब 11 बजे शिवम पांडेय व आदित्य पांडेय निवासी बड़ेवन के साथ सरयू घाट पर स्नान करने गया था। नहाते समय वह नदी में लापता हो गया। घटना के बाद से एसडीआरएफ की टीम व परिजन लगातार तलाश कर रहे हैं, लेकिन अब तक कहीं पता नहीं चला है। जानकारों का कहना है कि इस समय नदी में बहाव तेज है। बह कर दूर जाने की आशंका को देखते हुए बहाव की दिशा में दूर तक तलाश की जा रही है।

बेलसड़े गांव में धर्मांतरण की सूचना पर हंगामा

(बस्ती)। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बेलसड़े गांव के एक प्राइवेट स्कूल में धर्मांतरण की सूचना पर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। स्कूल के संचालक दंपती पर क्षेत्रीय लोगों को प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने का आरोप लगाया जा रहा है।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106–टेली/टेंडर/07/2025–26
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के चारबाग रेलवे स्टेशन पर नए रेलवे दावा न्यायाधिकरण (आरसीटी) की स्थापना के लिए बुनियादी ढांचे के प्रावधान के लिए दूरसंचार का कार्य।
अनुमानित लागत	रु 54,84,455.99/–
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु 1,09,700.00/–
कार्य पूरा करने की अवधि	120 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	01.10.2025 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।

- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू० सं० 106–टेली/टेंडर/07/2025–26 दिनांक: 10.09.2025 2770/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोणवरकर

गोरखपुर, : पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही निर्माण परियोजनाओं की महाप्रबन्धक श्री उदय बोणवरकर ने 11 सितम्बर,2025 को समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य प्रषासनिक अधिकारी/निर्माण श्री अभय कुमार गुप्ता ने पावर प्वाइंट प्रजेन्टेषन के माध्यम से निर्माण परियोजनाओं की जानकारी महाप्रबन्धक को दी। समीक्षा बैठक को सम्बोधित करते हुये महाप्रबन्धक श्री बोणवरकर ने कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे पर जो निर्माण कार्य किये जा रहे हैं, उसमें नई तकनीक का समावेष करें। उन्होंने कहा कि निर्माण परियोजनाओं को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूरा करें, ताकि परियोजनाओं का लाभ जन-समान्य को मिल सके। पावर प्वाइंट प्रजेन्टेषन के माध्यम से निर्माण परियोजनाओं पर प्रकाष डालते हुये मुख्य प्रषासनिक अधिकारी श्री अभय कुमार गुप्ता ने बताया कि गोरखपुर-डोमिनगढ़ तीसरी लाइन निर्माण तथा गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है और इनकी कमीषनिंग 26 सितम्बर,2025 को किया जाना प्रस्तावित है। इस

कार्य के साथ ही कुसुम्ही से डोमिनगढ़ तीसरी लाइन तथा गोरखपुर-नकहा जंगल दोहरीकरण परियोजना पूर्ण हो जायेगी । उन्होंने बताया कि गोण्डा-बुढ़वल तीसरी लाइन निर्माण परियोजना के अन्तर्गत गोण्डा कचहरी-घाघराघाट तक तीसरी लाइन कमीषन हो चुकी है तथा घाघराघाट-बुढ़वल के मध्य तीसरी लाइन का कार्य अगले माह पूर्ण हो जायेगा। इसके अन्तर्गत घाघरा नदी पर एक और महत्वपूर्ण पुल बन कर कमीषन हो जायेगा। आमान परिवर्तन परियोजनाओं पर प्रकाष डालते हुये उन्होंने बताया कि नानपारा-नेपालगंज रोड खण्ड के आमान परिवर्तन का कार्य भी इस माह में पूर्ण कर लिया जायेगा। इसके साथ बहराइच से नेपालगंज रोड तक का रेल खण्ड, देष के ब्राड गेज नेटवर्क से जुड़ जायेगा। श्री गुप्ता ने बताया कि नई रेल लाइन परियोजनाओं के अन्तर्गत सहजनवा-दोहरीघाट एवं खलीलाबाद-बहराइच नई लाइन निर्माण के प्रथम चरण का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। आनन्दनगर-महराजगंज-घुघुली नई लाइन निर्माण के प्रथम चरण के कार्य हेतु एजेन्सी फाइनल की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे पर चल रही अन्य निर्माण परियोजनाओं पर विस्तार से प्रकाष डाला। इस बैठक में निर्माण विभाग के सभी प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

गोरखपुर स्टेशन के प्लेटफार्म पर स्वच्छ किये गये डस्टबिनों को प्रदर्शित करता सफाईकर्मी

गोरखपुर, : सम्पूर्ण भारतीय रेल पर मनाये जा रहे स्वच्छता अभियान के

द्वितीय चरण के अन्तर्गत 11 सितम्बर, 2025 को पूर्वोत्तर रेलवे के तीनों मण्डलों के सभी प्रमुख स्टेशनों, गाड़ियों, स्टेशन परिसरों, कालोनियों एवं कार्यालयों में स्वच्छता सम्बन्धी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त लखनऊ, वाराणसी एवं इज्जतनगर मण्डलों पर कोचिंग डिपो एवं कारखानों में स्क्रैप मटेरियल से रचनात्मक माडल बनाये जा रहे हैं। इसी क्रम में बनारस कोचिंग डिपो द्वारा स्क्रैप मटेरियल से मोर, शिवलिंग, गिटार बजाता हुआ आदमी,

मंजीरा बजाता हुआ आदमी, ड्रम बजाता हुआ आदमी तथा राम मंदिर जैसे रचनात्मक माडल बनाये गये। 11 सितम्बर, 2025 को लखनऊ मण्डल के सभी कोचिंग डिपो में बायो-ट्वायलेट चैम्बर की सफाई की गई, स्टेशनों पर लगाये गये डस्टबिन को धुलाई की गई, कचरा बिन्दुओं की निगरानी की गई, पटरियों के किनारे झाड़ियों को साफ किया गया, स्टेशनों पर डस्टबिन प्रदान किये गये, पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बों का प्रावधान कराया गया तथा सभी स्टेशनों, स्टेशन

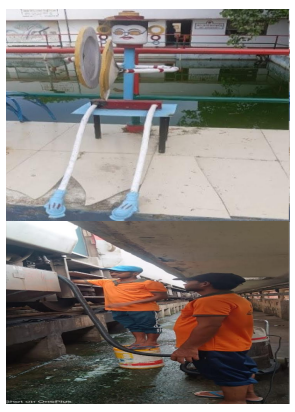

परिसरों तथा टेज्नों में स्वच्छता कार्य किया गया और यात्रियों को स्वच्छता बनाये रखने के लिये जागरूक किया गया। वाराणसी मण्डल के सभी कोचिंग डिपो में बायो-ट्वायलेट चैम्बर की सफाई की गई, डस्टबिनों की धुलाई की गई तथा देवरिया सदर, मऊ, सीवान, बलिया, आजमगढ, बनारस, प्रयागराज रामबाग स्टेशनों पर स्वच्छता कार्य करने वाले कर्मचारियों के साथ स्वच्छता नारा ह्यह्यस्वच्छ रेल, स्वच्छ भारतह्यह्य और पोस्टर, बैनर लगाकर स्वास्थ्य निरीक्षकों

के नेतृत्व में स्वच्छता रैली निकालकर यात्रियों को जागरूक किया गया। पेण्ट्रीकारों में स्मार्ट डिब्बे को प्रोत्साहित करने के लिये जागरूक किया गया। इज्जतनगर मण्डल के रामनगर, काठगोदाम एवं कासगंज कोचिंग डिपो में स्वच्छता कार्य किया गया, बायो-टवायलेट की क्लीनिंग की गई। काठगोदाम, काशीपुर और रूद्रपुर सिटी स्टेशनों पर सफाई की गई तथा डस्टबिनों का प्रावधान किया गया। फतेहगढ़, काठगोदाम एवं कासगंज स्टेशनों पर कचरा और वनस्पति हटाने का कार्य किया गया तथा स्टेशन परिसरों, प्लेटफार्मों, वेटिंग हाल आदि स्थानों पर स्वच्छता कार्य किया गया ।

एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर: रेलवे प्रषासन द्वारा आगामी दषहरा, दीपावली एवं छठ पूजा में यात्रियों की मांग पर 01079/01080 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई)-गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से 26 सितम्बर से 30 नवम्बर,2025 तक प्रतिदिन तथा गोरखपुर से 28 सितम्बर से 02 दिसम्बर,2025 तक प्रतिदिन 66 फेरों के लिये किया जायेगा। 01079 छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई)-गोरखपुर पूजा विशेष गाड़ी 26 सितम्बर से 30 नवम्बर,2025 तक शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) से प्रतिदिन 22.30 बजे प्रस्थान कर दादर से 22.47 बजे, थाणे से 23.20 बजे, कल्याण से 23.50 बजे, दूसरे दिन नासिक रोड से 02.25 बजे, मनमाड से 03.20 बजे, जलगॉव से 05.23 बजे, भुसावल से 06.00 बजे, खण्डवा से 09.05 बजे, इटारसी से 13.15 बजे, भोपाल से 16.00 बजे, बीना से 18.50 बजे, वीरागंना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) से 22.00 बजे, ऊरई से 23.32 बजे, तीसरे दिन कानपुर सेण्ट्रल से 02.20 बजे, लखनऊ से 04.15 बजे, गोण्डा से 06.35 बजे, बस्ती से 07.55 बजे तथा खलीलाबाद से 08.30 बजे छूटकर गोरखपुर 10.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) पूजा विशेष गाड़ी 28 सितम्बर से 02 दिसम्बर,2025 तक गोरखपुर से प्रतिदिन 14.30 बजे प्रस्थान कर खलीलाबाद से 15.05 बजे, बस्ती से 15.45 बजे, गोण्डा से 17.00 बजे, लखनऊ से 19.55 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 22.25 बजे, दूसरे दिन ऊरई से 00.07 बजे, वीरागंना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) से 02.15 बजे, बीना से 06.15 बजे, भोपाल से 08.35 बजे, इटारसी से 09.45 बजे, खण्डवा से 13.30 बजे, भुसावल से 15.25 बजे, जलगांव से 15.53 बजे, मनमाड से 18.00 बजे, नासिक रोड से 19.03 बजे, कल्याण से 23.40 बजे, थाणे से 23.58 बजे तथा तीसरे दिन दादर से 00.20 बजे छूटकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (मुम्बई) 00.40 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 10, साधारण द्वितीय श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 03 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

संक्षिप्त खबरें

राशन नहीं बंटने से कार्ड धारक परेशान

बस्ती। दुबौला क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों पर सितंबर का राशन नहीं बंटने से कार्ड धारक परेशान हैं। लोगों ने बताया कि क्षेत्र के किसी भी गांव में राशन वितरण नहीं हुआ है। कोटेदारों का कहना है कि मशीन नहीं चलने के कारण वितरण नहीं शुरू हो पाया। वहीं कुछ गांवों में राशन वितरण हुआ है। क्षेत्र के राशन कार्ड धारकों ने अविलंब राशन वितरण कराने की मांग की है।

हरिशंकरी पौधों से संतुलित होगा वातावरण

दुबौलिया। ब्लॉक सभागार में बुधवार को हरिशंकरी पौधरोपण के संबंध में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को गरुड़ध्वज पांडे, केसी मिश्र, कृष्णा चौधरी व खंड विकास अधिकारी संदीप सिंह ने भी किया संबोधित। एडीओ पंचायत संजय श्रीवास्तव, सचिव शेषराम दिवाकर, प्रकाश मोहन, विनय सिंह, डा.अनूप मिश्रा, नरेंद्र सिह आदि लोग मौजूद रहे।

कुंती ने कृष्ण से मांगा सारे संसार का दुख

छावनी। क्षेत्र के रामरेखा मंदिर परिसर में पितरों के निमित्त श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पं. धर्मेंद्र धर द्विवेदी ने रोचक कथा सुनाई। कहा कि जब उत्तरा के गर्भ में पल रहे शिशु की भगवान ने ब्रह्मास्त्र से रक्षा की तो सारे पांडव भगवान के श्री चरणों में साष्टांग प्रणाम किया। कहा कि भगवान छोटों को आशीर्वाद देते हैं और बड़ों को स्वयं प्रणाम करते हैं। आगे बताया कि भगवान श्रीकृष्ण अपनी बुआ कुंती को कुछ मांगने के लिए कहा। कुंती ने कहा कि प्रभु मुझे संसार के सारे दुख दे दो। क्योंकि दुख में आपकी याद हमें आती रहेगी। हमारे हर दुख में आप खड़े रहिए, हमें सुख नहीं चाहिए।

न्यायालय के आदेश पर चार लोगों पर एससी एसटी एक्ट में केस दर्ज

बस्ती। पैकोलिया थानाक्षेत्र की महिला को जातिसूचक गाली देने तथा उसके पति को मारने-पीटने के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने चार लोगों पर मारपीट व एससीएसटी एक्ट में केस दर्ज किया है। दुबौलिया जीतीपुर की रेशमा भारती पत्नी पवन कुमार ने स्पेशल जज एससीएसटी के कोर्ट में दाखिल वाद में बताया कि वह बस्थनवा गांव की रोजगार सेवक है। वह 21 अप्रैल की सुबह करीब छह बजे वह बस्थनवा गांव में मनरेगा के तहत कार्य करने वाले लोगों की हाजिरी लगा रही थी। गांव के शंभू नाथ पाठक, प्रद्युम्न नाथ पाठक, अखिलेश पाठक और दुलारपुर के विजय कुमार आए और काम रोकवा दिया। काम बंद होने के बाद वह पौने ग्यारह बजे जलपान करने पति के साथ नजदीक की दुकान पर जा रही थी। तभी धोसड़मिश्र गांव में स्थित अवधेश बिल्डिंग मटीरियल की दुकान के पास वे लोग उसे जातिसूचक गालियां देने लगे। उसके पति पवन कुमार ने विरोध किया तो उन्हें भी मारने-पीटने लगे। लोगों के बीच बचाव करने पर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक सुभाष मौर्य ने बताया है कि केस की विवेचना सीओ हरैया संजय सिंह के पास भेज दी गई है।

नुक्कड़ नाटक में अवसाद से बचने के तरीके बताए

बस्ती। मेडिकल कॉलेज के ओपेक चिकित्सालय कैली में मनोरोग विभाग के तत्वावधान में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बढ़ती आत्महत्या की घटनाओं पर अंकुश लगाने पर जोर दिया गया। मनोरोग चिकित्सकों ने अवसाद से बचने के लिए तमाम नुस्खे सुझाए। इस दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को मानसिक रूप से स्वस्थ और चुनौतियों से निपटने के टिप्स भी दिए गए। शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रधानाचार्य डॉ. मनोज कुमार, उप प्रधानाचार्य डॉ. अनिल यादव, डॉ. राजेश पांडेय, डॉ. विनीत सिंह, प्रोफेसर डॉ. लालमणि पाल ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। नर्सिंग विभाग के छात्र अमित एवं छात्रा साक्षी ने अवसाद से पीड़ित युवक-युवतियों को आत्महत्या जैसे कदम न उठाने के लिए भावपूर्ण नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। आशय था कि युवा पीढ़ी को रचनात्मक कार्यों में मन लगाना चाहिए।

बच्चा चोर बताकर घेरा, पुलिस के पहुंचने पर छोड़ा

बस्ती। लालगंज थाना क्षेत्र के हथियांव खुर्द उर्फ डूड्री गांव के पास बुधवार दोपहर बोलेरो से पहुंचे पांच भगवाधारी साधुओं को ग्रामीणों ने रोक लिया। लगातार हो रही चोरियों के बीच अचानक गांव में साधुओं के पहुंचने से लोग सकते में आ गए। कुछ लोगों ने शक जताते हुए पूछताछ शुरू की। कुछ ही देर में वहां भीड़ जुट गई। लोग बच्चा चोर का शक जताते हुए हमलावर होने लगे। इसी बीच किसी ने पुलिस को सूचना दे दी। कुछ ही देर में एसएचओ संजय कुमार पहुंच गए। कुछ लोग साधुओं की पिटाई करने के लिए बढ़ने लगे। मौके की नजाकत समझते हुए पुलिस ने भीड़ का वीडियो बनाना शुरू किया तो लोग धीरे-धीरे इधर-उधर होने लगे। साधुओं को भीड़ से बचाकर पुलिस थाने ले गई और पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया।

चोरों के भय से लोग कर रहे रतजगा

टिनिच। गौर थाना क्षेत्र के टिनिच पुलिस चौकी अंतर्गत दर्जनों गांवों में चोरों के भय से लोग पहरा देने को मजबूर हैं। पुलिस के गश्त न करने से ग्रामीणों में रोष है। थाना क्षेत्र के बदलूपुर, निद्धीपुर, झग्गापुर, नोनहा, बोधपुर, शीतलनगर, कूपनगर पंडितपुर, तिनहरी धनघटी, बेलवरिया, सुकरौली, कोडरी, टिनिच शुक्ल आमा, घुरहूपुर, चेतरा, खडसरपुर तमाम गांवों में रात होते ही कहीं ड्रोन तो कहीं चोर आने के मामले बढ़ते जा रहे हैं। ग्रामीण, राजू, गोरे, मनीराम, सुनील कुमार ने बताया कि तीन चार दिनों से कहीं ड्रोन दिखाई देता है और कहीं महिलाएं व बच्चे रात को संदिग्ध व्यक्ति या लाइट देखकर गुहार लगाने लगते हैं।

बेहतर जिंदगी के सपने दिखाकर तबाही की राह पर धकेल रहे धंधेबाज

बस्ती। देह व्यापार में नए-नए खेल सामने आ रहे हैं। गरीब परिवार की युवतियों और महिलाओं को रोजगार एवं स्वावलंबन के सपने दिखाकर गिरोह चलाने वाली महिलाएं झांसे में लेती हैं। गोरखपुर, लखनऊ से लेकर नेपाल तक की युवतियों को यहां रोजगार देने के बहाने पहुंचाया जा रहा है, और यहां की युवतियों को बाहर भेजा जा रहा है। गिरोह के संचालक जब उन्हें पूरी तरह अपने अनुकूल कर लेते हैं तो जिस्मफरोशी के धंधे में धकेल देती हैं। महिला थाने की पुलिस भी ऐसे मामलों में सिर्फ हाथ मलती रह जाती है। देह व्यापार से जुड़ी महिला धंधेबाज ऊंचे रसूख के लिए राजनीतिक दलों का भी सहारा लेती हैं। इसकी आड़ में वह अपना नेटवर्क फैलाने में काफी हद तक कामयाब भी होती हैं। शहर एवं आसपास क्षेत्र की देह व्यापार के धंधे से जुड़ी कुछ चर्चित महिलाएं वर्तमान में विभिन्न राजनीतिक दलों में अहम भूमिका निभाने लगी हैं। लेकिन, पर्दे के पीछे उनका यह काला धंधा अभी भी जारी बताया जा रहा है। भौतिक संसाधनों से लैस यह धंधेबाज महिलाएं अक्सर गरीब परिवार के युवतियों और महिलाओं पर डोरे डालती हैं। उन्हें नौकरी दिलाने या राजनीति में अच्छा मुकाम दिलाने अथवा व्यवसाय जगत से जोड़ने का झांसा देती हैं। उनके प्रलोभन में आकर युवतियां उनके चंगुल में फंस जा रही हैं। जानकार बताते हैं कि बहकावे में आने वाली युवतियों को किसी बड़े ओहदे के व्यक्ति से मिलवाने का लालच देकर उन्हें देह व्यापार के अड्डे पर भेज दिया जाता है।

भारत ने यूएई को रौंदा, मांजरेकर बोले- मैच फीस पूरी नहीं मिलेगी; सूर्यकुमार का जवाब सुनकर हंस पड़ेंगे

दुबई , मैच के बाद कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव पर चुटकी ली, लेकिन भारतीय कप्तान ने जो प्रतिक्रिया दी, उसे सुन कमेंटेटर हंस पड़े। एशिया कप 2025 के पहले मुकाबले में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को नौ विकेट से हराकर जोरदार शुरूआत की। मुकाबला इतना एकतरफा रहा कि दोनों पारियों में मिलाकर केवल 106 गेंदें फेंकी गईं और मैच दो घंटे से भी कम समय में समाप्त हो गया।हालांकि, मैच के बाद कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने कप्तान सूर्यकुमार यादव पर चुटकी ली, लेकिन भारतीय कप्तान ने जो प्रतिक्रिया दी, उसे सुन कमेंटेटर हंस पड़े। कुलदीप और दुबे की घातक गेंदबाजी भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और यूएई को 13.1 ओवर में 57 रन पर समेट दिया। कुलदीप यादव ने 2.1 ओवर में सात रन देकर चार विकेट चटकाए, जबकि शिवम दुबे ने तीन विकेट लिए।

श्रद्धा ही सच्चा श्राद्ध व सच्ची श्रद्धांजलि है :महंत विशाल गौड़

लखनऊ (संवाददाता)। हिन्दू धर्म के श्रद्धा और विश्वास दो ऐसे आधार स्तंभ है जिनके जरिए ही मानव इतिहास, भाषा संस्कृति, हमारी सनातन संस्कृति, पद्धति में पित्त पक्ष या श्राद्ध का महत्व है। इसमें हम अपनों जिन्हें हम खो चुके हैं, जो हमसे कहीं दूर अनंत आकाश की ऊंचाइयों में विलीन हो चुके हैं या जिन्हें हम चाहते, मानते या जानते थे, वह भले ही हमारे सगे-संबंधी न रहे हो उनके प्रति भी कृतज्ञता एवं श्रद्धा जताने का अवसर है। चाहे वह महात्मा गांधी हो, सुभाष चंद्र बोस, शहीद भगत सिंह के रूप में रहे हो अथवा महर्षि अरविंद, स्वामी विवेकानंद इन सभी महान विभूतियों को याद करने का और उनके दिए संस्कारों को जीने की पद्धति का नाम ही श्रद्धा अथवा श्राद्ध पक्ष है। श्राद्ध में हम विभूतियों, दिवंगत परिजनों को सिर्फ याद नहीं करते हम उनके संस्कार, उनकी दी शिक्षा को आत्मसात करने और अपने जीवन को ऊपर उठाने का प्रयत्न करते हैं। तो हम यह प्रण ले कि अपने पितरों, स्वजनों और महान विभूतियों को श्रद्धा देंकर उनके सिखाए रास्ते पर चलने का प्रयत्न करें। निश्चित तौर पर वह हमारा कल्याण करेंगे। क्योंकि 100 वर्ष पश्चात इस बार पितृपक्ष का प्रारंभ चंद्र ग्रहण से हुआ और समापन सूर्य ग्रहण से होगा। आज वैभव में भी भारतीय संस्कृति हमें हमारी जड़ों और मूल्यों से जोड़े रखती है। यह हमें आत्मिक दृढ़ता, धैर्य और नैतिकता का मार्ग दिखाती है। व्यवसायिक और व्यक्तिगत जीवन में भी इसके सिद्धांत सशक्त नेतृत्व, सामूहिक सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की नींव रखते हैं। भारतीय संस्कृति न केवल इतिहास का प्रतीक है, बल्कि आज और आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन जीने की दिशा और प्रेरणा स्रोत भी है। परिवार केवल जन्म से जुड़ी पहचान मान लिया जाए, तो वह मात्र जैविक बंधन रह जाएगा किन्तु परिवार का अर्थ है, एक ऐसी संस्था जो पीढ़ी दर पीढ़ी मूल्यों का संचार करती है। शास्त्रों में परिवार को ह्वकुटुम्बं कुटुम्बकम्ह्व की संज्ञा दी गई है। यानि परिवार वह स्थान है जहाँ प्रेम, त्याग, सहयोग और कर्तव्य एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं। परिवार ही वह स्थान है जहाँ सम्मान, संयम, कृतज्ञता और सेवा जैसे संस्कार सहज रूप से आत्मसात होते हैं। परिवार केवल वर्तमान पीढ़ी का संगठन नहीं है, बल्कि यह अतीत और भविष्य के बीच सेतु है। हमारे पूर्वजों ने जिन आदर्शों और जीवन मूल्यों को जिया, परिवार उन्हें अगली पीढ़ियों तक पहुँचाने का कार्य करता है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में परंपराएँ, त्यौहार, उत्सव और धार्मिक अनुष्ठान केवल रीति-रिवाज नहीं, बल्कि संस्कारों की विरासत हैं। दीपावली पर दीप जलाना, पितृपक्ष में तर्पण करना, नवरात्रि का उपवास, ये सब परिवार की सामूहिक साधनायें हैं, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं। वर्तमान में व्यक्तिवाद और तकनीकी ने इंसान को अकेलापन दिया है, वहीं परिवार भावनात्मक सहारा बनता है। कठिन परिस्थितियों में परिवार हमें बिना शर्त प्रेम और सहयोग देता है। यह केवल आर्थिक या सामाजिक सुरक्षा नहीं, बल्कि आत्मिक सुरक्षा का भी आधार है। आज भले ही युवा आधुनिकता की दौड़ में परिवार की महत्ता को भूलने लगे हैं किंतु यदि परिवार टूटेगा, तो संस्कारों की वह धारा रुक जाएगी जो समाज को एकजुट रखती है इसलिए युवाओं का कर्तव्य है कि वे परिवार की परंपराओं का सम्मान करें, बड़ों का आदर करें और बच्चों को संस्कार दें। भारतीय सनातन संस्कृति में पितृपक्ष एक धार्मिक अनुष्ठान के साथ जीवन-दर्शन है। यह वह दिव्य समय है जब हम अपनी जड़ों से जुड़ते हैं, उन पूर्वजों को स्मरण करते हैं जिन्होंने हमें जीवन, संस्कार, परंपरा और मूल्य दिए। श्राद्ध हमें वर्तमान और भविष्य का नहीं, बल्कि अतीत का भी सम्मान करने का संदेश देता है। संतानें अपने पितरों का ऋण चुकाने के लिए जन्म लेती हैं। वेदों और पुराणों में भी उल्लेख है कि पितृपक्ष के इन 16 दिनों में श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान से पितर संतुष्ट होते हैं और संतानों को आशीर्वाद देते हैं। महाभारत और गरुड़ पुराण में भी श्राद्ध की महिमा विस्तार से वर्णित है। यह हमारे ऋण-त्रय (देवऋण, ऋषिऋण और पितृऋण) की स्मृति और उनकी पूर्ति का माध्यम है। पितृपक्ष हमें संदेश देता है कि हम अकेले नहीं हैं, बल्कि एक वंश, परंपरा और विचारधारा की निरंतर धारा का हिस्सा हैं। जब हम पितरों का तर्पण करते हैं तो वास्तव में कृतज्ञता का संस्कार अपने भीतर जागृत करते हैं। यही कृतज्ञता हमें दूसरों का सम्मान करना, बड़ों की सेवा करना और समाज के प्रति उत्तरदायी बनना सिखाती है। आज की युवा पीढ़ी तेजी से बदलती तकनीक और आधुनिकता के बीच अपनी जड़ों से दूर होती जा रही है।

पेंशन देने में अस्थायी नौकरी की अवधि नहीं जुड़ेगी

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में किसी भी कर्मचारी को पेंशन देने में उसकी नौकरी की अस्थायी, वर्क चार्ज या दैनिक वेतन की अवधि को नहीं जोड़ा जाएगा। इस संबंध में शासन ने उप्र. पेंशन की हकदारी तथा विधिमान्यकरण अध्यादेश 2025 के अनुसार पेंशन से संबंधित प्रकरणों में कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार की ओर से जारी शासनादेश में कहा गया कि ऐसे व्यक्ति जिनकी नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा जारी किसी नियमावली के तहत नहीं हुई है और न ही उनका कभी विनियमितीकरण किया गया है। ऐसे व्यक्ति कोर्ट में वाद दायर कर रहे हैं कि उन्हें सरकारी कार्मिकों के समान पेंशन आदि के लाभ दिए जाएं। उन्होंने ऐसे मामले में विधायी विभाग की दो सितंबर को जारी अधिसूचना के आधार पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

नगर निगम मुख्यालय में गैरहाजिर मिला पूरा ऑफिस,मेयर भड़कीं

लखनऊ (संवाददाता)। मेयर सुषमा खर्कवाल गुरुवार सुबह करीब 11 बजे नगर निगम मुख्यालय पहुंचीं। अफसरों के चौंबर का निरीक्षण किया। 4 अपर नगर आयुक्त, 3 उप आयुक्त, चीफ इंजीनियर समेत कई अफसर गैरहाजिर मिले। कई कर्मचारी भी नहीं मिले। इसके बाद मेयर ने अटेंडेंस रजिस्टर को मंगवाकर चेक किया। बड़ी संख्या में अफसरों और कर्मचारियों के अटेंडेंस दर्ज न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने अटेंडेंस रजिस्टर को जब्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने नगर आयुक्त को ड्यूटी से गायब अधिकारियों और कर्मचारियों से जवाब मांगते हुए गूगल लोकेशन भी शेयर करने को कहा। मेयर ने कहा कि लगातार अफसरों के गैर हाजिर रहने की शिकायत उन्हें मिल रही थी। फील्ड पर निरीक्षण और बैठक बताकर कई स्टाफ गायब हो जाते हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में आम लोग परेशान रहते हैं। ऐसे में इन सभी के खिलाफ अब कार्रवाई की जाएगी। मेयर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि मैं जब मुख्यालय पहुंची तो नगर आयुक्त के अलावा कोई भी बड़ा अफसर मौजूद नहीं था। ये नगर आयुक्त की जिम्मेदारी है कि वो देखे समय पर अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय में बैठे और पब्लिक की समस्या को दूर करें। मौके पर कोई भी अपर नगर आयुक्त मुझे नहीं दिखा। 3 पीसीएस लेवल ऑफिसर भी गायब मिले। इन सभी को शो कॉज नोटिस जारी किया गया है।

पूर्व बसपा विधायक को उम्र कैद

31 साल पहले दो सगे भाइयों की हत्या का मामला, भारी फोर्स तैनात

लखनऊ (संवाददाता)। उरई में दो सगे भाइयों की हत्या में दोषी करार बसपा के पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने आज गुरुवार को आत्मसर्मपण किया। एमपी-एमएलए कोर्ट में सुनवाई के बाद न्यायाधीश भारतेंदु सिंह ने पूर्व विधायक को दोषी करार करते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई।सजा का ऐलान होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। चुर्खी थाना क्षेत्र के बिनौरा बैध गांव में 30 मई 1994 की दोपहर प्रधान के चुनाव की रंजिश व वर्चस्व को लेकर गांव के ही राजकुमार उर्फ राजा भइया और उनके सगे भाई जगदीश शरण की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने इस मामले में पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान को दोषी करार दिया। सजा सुनाने के लिए 11 सितंबर की तारीख तय की गई थी। दोषी करार होने के बाद से छोटे सिंह फरार था।अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पूर्व विधायक छोटे सिंह चौहान ने लिखा है कि मेरे पूरे विधानसभा परिवार को मेरा प्रणाम। जैसा की सर्वविदित है कि किस प्रकार आपके सेवक को राजनैतिक षड्यंत्र में फंसाया जा रहा है परंतु मुझे भारत की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है क्योंकि उक्त प्रकरण में मेरी किसी भी प्रकार की संलिप्तता नहीं थी, परंतु कुछ गणमान्य व्यक्तियों को मेरा क्षेत्र में रहना व सबके सुख-दुख में शामिल होना खल रहा था। आज मेरे साथ पूरा जनपद परिवार खड़ा हुआ है जोकि साफ संदेश दे रहा है की संघर्ष की रात के बाद एक नया सवेरा होगा और तथाकथित षड्यंत्रकारी लोग सिर्फ षड्यंत्र करते रह जाएंगे। लेकिन मेरे लहू का कतरा-कतरा आप सबके लिए है और मरते दम तक अपने लोगों की आवाज को बुलंद करता रहूंगा। उसके लिए भले कितना संघर्ष देखना पड़े।आपका छोटे सिंह हमेशा न्याय के लिए संघर्ष करता आया है और करता रहेगा। बिनौरा बैध गांव निवासी राजकुमार और जगदीश के भाई रामकुमार ने थाने में तहरीर दी थी। इसमें बताया था कि 30 मई 1994 दोपहर 11रू30 बजे वह कोठी वाले मकान के बरामदे में बड़े भाई जगदीश शरण, राजकुमार उर्फ राजा भैया, भतीजे कुलदीप कुमार, जीजा रामेंद्र सेन, गांव के वीरेंद्र सिंह व रामकरन तिवारी के साथ बैठकर बात कर रहा था। इसी दौरान गांव के रुद्रपाल सिंह उर्फ लल्ले गुर्जर, राजा सिंह, संतावन सिंह गुर्जर, करन सिंह उर्फ कल्ले व दो अज्ञात अंदर घुस आए। सभी लोग हाथों में बंदूकें व राइफल लिए थे। रुद्र ने कहा कि सभी को घेर लो, कोई जिंदा न बच पाए। इसके बाद इन लोगों ने बंदूक और राइफल से फायरिंग कर दी।कोर्ट में शीघ्र सुनवाई का आदेश दिया था।गोली लगने से उसके भाई राजकुमार व जगदीश की मौके पर ही मौत हो गई थी और वीरेंद्र सिंह घायल हो गए थे। पुलिस की विवेचना में दोहरे हत्याकांड में छोटे सिंह, अखिलेश कृष्ण मुरारी, बच्चा सिंह, छुन्ना सिंह के नाम भी शामिल किए गए थे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 का शेड्यूल जारी

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में इस बार निवेश पर ही नहीं सरकार की तरफ से संचालित योजनाओं पर फोकस करने के साथ ही फ्यूचर डेवलपमेंट पर भी फोकस होगा। इसके लिए सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए स्टार्टअप, आईटी, इंश्योरेंस, फाइनेंस मैनेजमेंट, मेडिकल हेल्थ, ई-कॉमर्स और स्किल डेवलपमेंट जैसे अहम विषयों पर विशेषज्ञ अपने अनुभव साझा करेंगे।यूपीआईटीएस 2025 के शेड्यूल के अनुसार 25 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रातरू ट्रेड शो का शुभारंभ करेंगे। उसी दिन शाम 3 बजे से रात 8 बजे तक बी2सी विजिटर्स के लिए शो ओपन रहेगा। जबकि 26 से 29 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 11 बजे से 3 बजे तक बी2बी मीटिंग्स और शाम 3 से 8 बजे तक बी2सी विजिटर्स के लिए आयोजन होगा। इस दौरान एक्सपर्ट की तरफ से नॉलेज सेशन की शुरूआत 26 सितंबर से होगी जो 28 तक जारी रहेगी। 26 सितंबर को सुबह 11.30 से 12.30 बजे तक डॉ एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी का सत्र होगा। जिसका विषय वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी में स्टार्टअप इकोसिस्टम का योगदान रखा गया है। दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, यूपी-यूपीएलसी का सत्र होगा, जो प्रदेश में आईटी एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री की ग्रोथ और डेवलपमेंट पर केंद्रित रहेगा। 26 सितंबर को ही 3 बजे से 4 बजे तक मेडिकल हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर विभाग वायरल हेपेटाइटिस और प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पर वकर्शॉप करेगा। शाम 4.30 से 5 बजे तक आईआरडीएआई और एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस नॉन-लाइफ एवं हेल्थ इंश्योरेंस पर अवेयरनेस सेशन आयोजित करेंगे। 5 बजे से 6 बजे तक वित्त विभाग का सत्र होगा, जिसमें प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना शामिल भी होंगे। जबकि 6 से 6.30 बजे तक लाइफ इंश्योरेंस पर अवेयरनेस सेशन होगा। वहीं 27 सितंबर को 11.30 से 12.30 बजे तक अर्बन डेवलपमेंट का सत्र होगा। इसमें नगर विकास मंत्री एके शर्मा शामिल होंगे। दोपहर 1 से 2 बजे तक मेडिकल हेल्थ पर दोबारा वकर्शांप होगी। शाम 4 से 6 बजे तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना सीएम युवा के तहत यूनिवर्सिटीज के साथ एमओयू एक्सचेंज प्रोग्राम होगा। इसके अतिरिक्त, शाम 6 बजे से खादी पर फैशन शो आयोजित किया जाएगा। वही 28 सितंबर को 11.30 से 12.30 बजे तक जीबीयू (गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय) इंडस्ट्री-एकेडमिया टाईअप फॉर स्किल डेवलपमेंट विषय पर सत्र आयोजित करेगा। 29 सितंबर को वैलेडिक्ट्री और अवार्ड्स से शो का समापन होगा।

हैदर कैनाल बचाने के लिए आजाद समाज पार्टी के बैनर तले जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में आजाद समाज पार्टी के बैनर तले हजारों युवाओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी परिवर्तन चौक से विधानसभा की ओर बढ़ने की कोशिश करने लगे तो पुलिस ने उन्हें केडी सिंह बाबू स्टेडियम के पास रोक लिया। बैरिकेडिंग लगने के बाद सब वहीं धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों के हाथ में अस्तित्व बचाओ, भविष्य बचाओ नारा लिखे पोस्टर थे। युवाओं ने इस प्रदर्शन को हैदर कैनाल दलित बाहुल्य बस्ती बचाओ आंदोलन नाम दिया। इनका कहना है कि हैदर कैनाल के विकास के नाम पर इन्हें बेघर कर दिया जाएगा।पार्टी के प्रदेश सचिव अनिकेत धानुक ने कहा कि गयासुद्दीन हैदर नहर के किनारे बसी बस्ती 100 साल पुरानी है, जिसमें 90ः दलित बहुजन और वंचित समुदाय के लोग रहते हैं। इन्हें उजाड़ने की तैयारी है। हम विकास के खिलाफ नहीं हैं, मगर ऐसा विकास भी स्वीकार नहीं, जो गरीबों और बेसहारा लोगों को उजाड़ कर किया जाए। यह लड़ाई हम सिर्फ हैदर कैनाल को बचाने के लिए नहीं बल्कि पूरे दलित समाज और मेहनतकश परिवारों न्याय दिलाने के लिए कर रहे हैं। यह निर्णय स्पष्ट रूप से काशीराम स्लम क्षेत्र स्वामित्व अधिकारी योजना (2007-12) का उल्लंघन है, जिसके तहत 10 वर्ष से अधिक समय से किसी भी भूमि पर निवास करें। यहां हैदर कैनाल के विकास के लिए 2270 करोड़ का बजट पास हुआ है। विकास के नाम पर हमारे लोगों को उजाड़ने की तैयारी हो रही है। 7 लाख लोगों को उजाड़कर पूंजीपतियों की जेब भरी जाएगी। हम इसे कभी नहीं होने देंगे। जहां हमारी मांओं ने नींव रखी, वहां से हमें बेदखल किया जा रहा है। सीएम योगी से मिलेंगे।

पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को राहत पहुँचाना प्राथमिक जिम्मेदारी: रालोद

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोकदल के स्थापना दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल पंजाब बाढ़ आपदा समिति के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने समिति के सदस्यों के साथ मिलकर देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।इस अवसर पर समिति की विशेष बैठक भी आयोजित की गई जिसमें पार्टी की नीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई तथा रालोद द्वारा पंजाब बाढ़ पीड़ितों को भेजी जाने वाली राहत सामग्री एवं अन्य आवश्यक सहयोग को लेकर विचार-विमर्श किया गया।बैठक के दौरान समिति के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल का हर कार्यकर्ता चौधरी चरण सिंह की विचारधारा से प्रेरित होकर समाज और किसानों की सेवा में समर्पित है। पंजाब के बाढ़ पीड़ित भाइयों-बहनों को राहत पहुँचाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है और समिति पूरी निष्ठा से इस कार्य को अंजाम दे रही है। राष्ट्रीय लोकदल हमेशा किसानों, गरीबों, आपदाग्रस्त परिवारों के साथ खड़ा रहा है और आगे भी हर संभव मदद करता रहेगा। बाढ़ आपदा समिति निरंतर राहत कार्यों की रूपरेखा तैयार कर रही है और पार्टी के नेतृत्व के निदेर्शानुसार इसे धरातल पर उतारा जाएगा। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष वसीम हैदर, आदित्य विक्रम सिंह, रजनीकांत मिश्रा, संयोजक पीके पाठक, प्रदेश महासचिव प्रीति श्रीवास्तव, चंद्रकांत अवस्थी, प्रदेश कोषाध्यक्ष बीएल प्रेमी, प्रदेश सचिव प्रमोद शुक्ला, सम्राट चौहान, रामगोपाल चंदेल, जिलाध्यक्ष सत्य प्रकाश तिवारी उपस्थित रहे जिन्होंने एक स्वर में बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव योगदान देने का संकल्प लिया।

बीकेटी के सरकारी स्कूल में चोरी,प्रधानाध्यापिका ने तहरीर दी

लखनऊ (संवाददाता)। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र के इन्दौराबाग स्थित परिषदीय प्राथमिक विद्यालय बालबाड़ी में चोरी की वारदात सामने आई है। चोरों ने विद्यालय के कार्यालय और कमरों में रखी अलमारियों के ताले तोड़कर कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने सहायक अध्यापिका विजय लक्ष्मी का सरकारी टैबलेट और सहायक अध्यापिका हबीबा हामिद का ब्लूटूथ स्पीकर चुरा लिया। कार्यालय की अलमारियों के लॉक और इंटरलॉक तोड़कर सारा सामान बिखेर दिया गया। चोरी का पता सुबह तब चला जब रसोइए विद्यालय पहुंचे। उन्होंने तुरंत प्रधानाध्यापिका सुचिता गौतम को सूचित किया। प्रधानाध्यापिका ने बीकेटी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से स्थानीय लोग भयभीत हैं। इस घटना ने पुलिस की गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बीस वर्षो से चल रहा आरक्षण घोटाला,करोड़ों की लूट

मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अवैधानिक आरक्षणनीतिः डा. संजय पाठक

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश में पिछले बीस वर्षो से मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अवैधानिक आरक्षण नीति से सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को धोखा दिया जा रहा है। मान्यनीय न्यायालय को डीजीएमई की भ्रामक दलील देकर न्याय से रोका ही नही जा रहा बल्कि इसकी आड़ में आर्थिक भ्रष्टाचार किया जा रहा है। यह बॉत आज स्थानीय होटल में नमो सेना इंडिया के महासचिव एवं अखिल भारतीय सनातन परिषद के राष्टीय संगठन मंत्री डा. संजय पाठक ने पत्रकारों को देते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय आदित्यनाथ से इस मामले में हस्तक्षेप करने तथा इस असंवैधानिक प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की है। श्री पाठक ने पत्रकारो से बातचीत में बताया कि 2006 से चला आ रहा आरक्षण घोटाला डीजीएमई की भ्रामक दलीलों ने न्याय से वंचित है। हर साल सैकड़ों सामान्य वर्ग के विद्यार्थी इसका अभिशाप झेलने तथा अपने हक पाने से वंचित है। उत्तर प्रदेश की मेडिकल प्रवेश प्रक्रिया में लगभग एक दशक से जारी अवैधानिक आरक्षण नीति ने आखिरकार न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने पर मजबूर कर दिया है। लेकिन डीजीएमई की भ्रामक दलीलों ने अदालत को गुमराह कर इस साल भी सामान्य वर्ग के दर्जनों योग्य विद्यार्थियों के साथ अन्याय करवा दिया।उनके अनुसार आरक्षण को लेकर कानून स्पष्ट है। उत्तर प्रदेश शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश हेतु आरक्षण अधिनियम, 2006 के अनुसार आरक्षण की सीमा एसी 21 प्रतिशत,एसटी 2 प्रतिशत और ओबीसी 27 प्रतिशत यानि आरक्षण कुल 50 प्रतिशत और शेष 50 प्रतिशतसीटें सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के लिए खुली रहनी चाहिए। इसको दरकिनार कर मनमानी और आर्थिक लूट के लिए 2010 से 2015 के बीच राज्य सरकार ने अम्बेडकर नगर, कन्नौज, जालौन और सहारनपुर में चार नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए। चूँकि ये कॉलेज स्पेशन कम्पोनेट प्लान से आंशिक रूप से वित्तपोषित थे। इस पर सरकार ने आदेश जारी कर दिया कि इनमें 70 प्रतिशत सीटें एसीएसटी 15 प्रतिशत ओबीसी को और मात्र 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग को मिलेंगी।इससे आरक्षण की सीमा 79 प्रतिशत तक पहुँच गई, जो न केवल अधिनियम 2006 बल्कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा का भी उल्लंघन था। उदाहर के तौर पर इन चार कॉलेजों में कुल 340 राज्य-कोटा सीटें थीं। इनमें से सामान्य वर्ग के लिए केवल 28 सीटें छोड़ी गईं, जबकि अधिनियम के अनुसार कम से कम 170 सीटें सामान्य वर्ग को मिलनी चाहिए थीं। यानी हर साल लगभग 140 सीटें सामान्य वर्ग से छीनकर गलत तरीके से एसटीएससी को दी गईं। पिछले 10 वर्षों में इसका खामियाजा हजार से अधिक मेधावी विद्यार्थियों पर पड़ा। यही नहीं, ओबीसी को भी 27 प्रतिशत के बजाय केवल 15 प्रतिशतदिया गया, जिससे हर साल लगभग 30 सीटें ओबीसी वर्ग से छिनती रहीं। श्री पाठक ने बताया कि इसका खुलासा तब हुआ जब नीट एवं यूजी 2025 में 523 अंक लाने वाली छात्रा सबराह अहमद ने इस अवैध व्यवस्था को चुनौती दी। 25 अगस्त को एकल पीठ ने राज्य सरकार के सभी आदेशों को अवैध घोषित करते हुए कहा कि डीजीएमई ने कानून की गलत व्याख्या कर आरक्षण सीमा का उल्लंघन किया है।जब मामला अपील में गया, तो डीजीएमई ने अदालत को बताया कि पहला राउंड पूरा हो चुका है। लगभग सभी सीटें भर गई हैं। अब प्रक्रिया दोबारा करने से राज्यभर में अफरा-तफरी मच जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

पारदर्शिता और ई-गवर्नेंस के नाम पर बीजेपी सरकार जुमले देती रही: लोकदल

लखनऊ (संवाददाता)। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह जी ने भर्ती पारदर्शिता पर सवाल खड़ा करते हुए कहा है कि भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करके बनाया गया मानव संपदा पोर्टल भी भ्रष्टाचार रोकने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई। एक्स-रे टेक्नीशियन भर्ती में बड़े पैमाने पर फजीवाड़ा सामने आया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि यह पोर्टल, जिसके माध्यम से अधिकारियों का वेतन तक स्वीकृत होता है, गड़बड़ी पकड़ ही नहीं पाया। लोकदल अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि जब वेतन भुगतान तक पोर्टल से होता है, तो भर्ती में हुए फजीर्वाड़े की जानकारी क्यों नहीं मिली? आखिर पोर्टल बनाने पर जनता के करोड़ों रुपये क्यों बर्बाद किए गए? भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का दावा करने वाली सरकार की मंशा पर अब जनता क्यों भरोसा करे? भर्ती घोटाले में शामिल अधिकारियों पर तुरंत कड़ी कार्रवाई कब होगी। पोर्टल की उपयोगिता और इसकी निगरानी प्रणाली की उच्चस्तरीय जांच क्यों नहीं। जनता के पैसे का हिसाब सरकार दे कि आखिर यह पोर्टल भ्रष्टाचारियों का सहायक क्यों है।

लखनऊ पेपर मर्चेंट्स असोसिएशन ने वित्त मंत्री एवं जीएसटी आयुक्त से की मुलाकात

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ पेपर मर्चेंट्स असोसिएशन का एक प्रतिनिधिमण्डल, उपाध्यक्ष संजय काबरा के नेतृत्व में, कल उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना से मिला। प्रतिनिधिमण्डल ने हाल ही में कागज व्यापार पर लागू जीएसटी की विसंगति के विषय में अपना ज्ञापन सौंपा। मंत्री सुरेश खन्ना ने इस मुद्दे की गंभीरता को तुरंत समझा और तत्काल उत्तर प्रदेश वाणिज्य कर (जीएसटी) आयुक्त बंसल से दूरभाष पर बात की। उन्होंने बंसल को निर्देश दिया कि इस विषय को नई दिल्ली से उठाएं और प्रतिनिधिमण्डल का ज्ञापन उन्हें भी भेजा गया। आज असोसिएशन का प्रतिनिधिमण्डल बंसल से मिला। आयुक्त ने बड़ी आत्मीयता से बात सुनी और आश्वासन दिया कि वे स्वयं इस विषय को नई दिल्ली में संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाएंगे और पूरी कोशिश करेंगे कि इस गंभीर समस्या का समाधान निकले। असोसिएशन वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के तत्काल हस्तक्षेप एवं बंसल की समझदारी और सकारात्मक आश्वासन के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता है। हमें पूर्ण आशा है कि उनके प्रयासों से यह गंभीर विसंगति शीघ्र ही दूर होगी और व्यापार, उद्योग तथा सुशासन के हित में निर्णय लिया जाएगा। असोसिएशन के अध्यक्ष अमर प्रकाश अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय काबरा, उपाध्यक्ष मनोज तिवारी, सदस्य विष्णु अग्रवाल एवं सौरभ अग्रवाल उपस्थित थे।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में हिंदी पखवाड़े का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। नवयुग कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग की साहित्यिक संस्था नवज्योतिका ने काव्योम संस्था के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत 9 से 11 सितंबर, 2025 तक विविध साहित्यिक एवं कलात्मक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया। इन आयोजनों का मूल उद्देश्य छात्राओं में निहित रचनात्मकता और प्रतिभा को प्रोत्साहित करना था। 9 सितंबर स्वरचित काव्यपाठ, पोस्टर निर्माण और रील मेकिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। छात्राओं ने अपनी कविताओं, साहित्यिक पंक्तियों पर आधारित आकर्षक पोस्टरों और लखनऊ की प्राचीन इमारतें विषय पर बनाई गई रीलों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 10 सितंबर इस दिन भाषण, इजहार (मूक अभिनय) और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भाषण का विषय श्पारंपरिक हिंदी साहित्य और युवाश था, जबकि इजहार में मुहावरों और लोकोक्तियों को अभिनित किया गया। 11 सितंबर तत्क्षण भाषण और एकल अभिनय प्रतियोगिताओं ने छात्राओं की तात्कालिक वैचारिक और अभिनय क्षमताओं को उजागर किया। इन सभी प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. मंजुला उपाध्याय के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. मंजुला यादव, डॉ अपूर्वा अवस्थी, डॉ अंकिता पांडेय, डॉ मेघना यादव सहित अन्य संकाय सदस्य और श्काव्योम संस्थाश के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। प्राचार्या ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने घोषणा की कि सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को हिंदी दिवस के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

यूपी में दिवाली से पहले भर जायेंगे सड़कों के गड्ढे,400 करोड़ रुपए मंजूर

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने दिवाली से पहले राज्य की सड़कों को गड्ढामुक्त करने के लिए 400 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत लगभग 50,000 किलोमीटर लंबी सड़कों की मरम्मत और सुधार किया जाएगा।यह कदम यातायात को सुगम बनाने और दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है।लखनऊ में लोक निर्माण विभाग ने सड़कों की स्थिति का आकलन शुरू कर दिया है। प्राथमिकता के आधार पर गड्ढों को भरने का कार्य तेजी से किया जाएगा। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की सड़कों को इस अभियान में शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्य में गुणवत्ता हो और समयबद्ध तरीके से परियोजना पूरी हो। इस पहल से न केवल यात्रियों को राहत मिलेगी, बल्कि त्योहारी सीजन में सड़क सुरक्षा भी बढ़ेगी।

मोदी के फैसले से यादव समाज खुश

लखनऊ (संवाददाता)। केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों में बदलाव करते हुए दुग्ध उत्पादों पर बड़ी राहत दी है। इस निर्णय के तहत अब दूध और पनीर को पूरी तरह से जीएसटी से मुक्त कर दिया गया है, जबकि घी और मक्खन पर लगने वाला जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे आम उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, दुग्ध व्यवसाय से जुड़े किसानों और विक्रेताओं को भी लाभ होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस फैसले का उत्तर प्रदेश के यादव समाज ने खुले दिल से स्वागत किया है। प्रधानमंत्री के वाराणसी दौरे से पहले यूपी के कई जिलों में यादव समाज की ओर से श्धन्यवाद मोदी जीश शीर्षक वाले होर्डिंग्स लगाए गए हैं। इन पोस्टरों के माध्यम से उन्होंने दुग्ध उत्पादों पर जीएसटी में कटौती के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया है। होर्डिंग्स पर लिखा गया है कि, ष्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जीएसटी परिषद द्वारा दुग्ध उत्पादों पर टैक्स में दी गई राहत पशुपालकों, दूध विक्रेताओं और विशेष रूप से यादव समाज के लिए एक महत्वपूर्ण सौगात है। यह केवल एक आर्थिक निर्णय नहीं, बल्कि मेहनतकश दूध उत्पादकों के सम्मान का प्रतीक है।ष्यादव समाज का मानना है, निर्णय लाखों दुग्ध उत्पादक परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएगा और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में एक ठोस कदम है। भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं विधान परिषद सदस्य श्री सुभाष यदुवंश, जो राष्ट्रीय यदुवंश परिषद के संरक्षक भी हैं, के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में ये होर्डिंग्स लगाए गए। राष्ट्रीय यदुवंश परिषद ने इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए इसे समाज के हित में उठाया गया एक सकारात्मक कदम बताया है।सरकार के इस निर्णय के बाद बाजार में दूध, पनीर, घी और मक्खन जैसे उत्पादों की कीमतों में भी कमी आने की संभावना है, जिससे आम जनता को आर्थिक राहत मिलेगी। यह फैसला न केवल देश की अर्थव्यवस्था में दुग्ध क्षेत्र की भूमिका को मान्यता देता है, बल्कि यह दशार्ता है कि केंद्र सरकार किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।

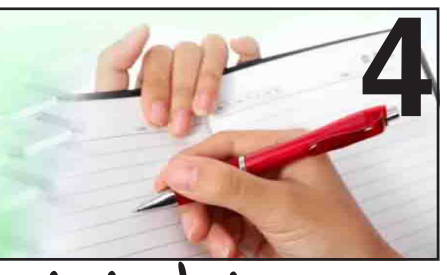

सम्पादकीय

राधाकृष्णन से उम्मीदें

इसमें दो राय नहीं कि भारत के पंद्रहवें उपराष्ट्रपति के रूप में सीपी राधाकृष्णन का चुनाव विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की संवैधानिक यात्रा में निरंतरता और परिवर्तन, दोनों का ही प्रतीक है। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग के उम्मीदवार के के रूप में उन्होंने विपक्ष के साझा उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया। यह जीत राजग सरकार की विधायी शक्ति और संगठनात्मक अनुशासन को भी रेखांकित करती है। निस्संदेह, भाजपा के लिये, सीपी राधाकृष्णन का चयन एक रणनीतिक कदम ही है। तमिलनाडु के एक अनुभवी नेता, जिनकी आरएसएस में गहरी जड़ें रही हैं, ने पार्टी में महत्वपूर्ण नेतृत्वकारी भूमिकाएं भी निभाई हैं। वे पार्टी से दो बार लोकसभा के लिये सांसद चुने गए। राज्यपाल पद से उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिये पदोन्नत करके, एनडीए ने न केवल उनकी निष्ठा और अनुभव को पुरस्कार दिया है, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में एक दक्षिण भारत के चेहरे को प्रतिष्ठा देकर अपने दूरगामी इरादों को भी जाहिर कर दिया है। जिसका एक सिरा भाजपा के दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के रूप में पार्टी की एक व्यापक महत्वाकांक्षा से भी जुड़ता है। उस महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्र में जहां उसे पारंपरिक रूप से चुनावी पैठ बनाने के लिए अब भी संघर्ष करना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि सीपी राधाकृष्णन को राजग के उपराष्ट्रपति पद के लिये उम्मीदवार बनाने के निर्णय ने सबको चौंकाया था। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह निर्णय उनकी राजनीतिक स्मृति की विरासत को भी दशार्ता है। पार्टी के उन नेताओं का सम्मान करना, जिनकी पार्टी के कठिन वर्षों के दौरान की दृढ़ता ने आज की मजबूत भाजपा के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं उनका चुना जाना विपक्ष के राजग का सशक्त विकल्प बनाने के संघर्ष को भी उजागर करता है। उप राष्ट्रपति पद के चुनाव में हार का अंतर न केवल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत को दशार्ता है बल्कि वहीं दूसरी ओर विपक्ष की फूट और क्रॉस-वोटिंग को भी दशार्ता है। बहरहाल, सीपी राधाकृष्णन का उप राष्ट्रपति पद के लिये चुना जाना विपक्ष के लिये एक सबक जैसा भी है। जो उसे याद दिलाता है कि प्रतीकात्मक मुकाबले एक सुसंगत रणनीति का विकल्प नहीं हो सकते। निर्विवाद रूप से उपराष्ट्रपति का पद केवल औपचारिक व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। वे सांविधानिक पद सोपान में दूसरे सबसे ऊंचे पद पर तो आसीन होते ही हैं, राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उनकी जिम्मेदारियां भी महत्वपूर्ण होती हैं। राज्यसभा के पदेन सभापति के रूप में उन्हें उच्च सदन में अकसर होने वाले हंगामेदार वाद-विवादों का भी शालीनतापूर्वक निपटारा करना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि उनके नेतृत्व में राज्यसभा की कार्यवाही अधिक समावेशी हो सकेगी और सदन में जन सरोकारों से जुड़ा अधिक कार्य हो सकेगा। उनके लिये चुनौती होगी कि वे अपनी वैचारिक संबद्धता के बावजूद, सदन की कार्यवाही के संचालन में निष्पक्षता और न्यायसंगतता का प्रदर्शन करें। यह निर्विवाद सत्य है कि संसद की विश्वसनीयता अध्यक्ष की दलीय सीमाओं से परे सम्मान अर्जित करने की क्षमता पर निर्भर करती है। ऐसे समय में जब संसदीय कार्यप्रणाली सार्वजनिक विमर्श के दायरे में है, अगर राधाकृष्णन दलगत दबावों से ऊपर उठ सकते हैं, विधायी बहस को मजबूत कर सकते हैं और राज्यसभा की गरिमा का संवर्धन करते हैं, तो उनकी विरासत दलीय निष्ठा से कहीं आगे प्रतिष्ठा हासिल करेगी। यह भी एक हकीकत है कि राधाकृष्णन ऐसे वक्त में यह पद संभालेंगे जब सरकार और विपक्ष के बीच असहमति की खाई ज्यादा गहरी नजर आती है। यही असहमति सर्वसम्मत चुनाव पर एक राय नहीं बना पायी है। आने वाले समय में उन्हें पक्ष और विपक्ष को साथ लेकर विधायी कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। निस्संदेह, उनकी भूमिका गरिमामय संसदीय परंपराओं को अक्षुण्ण बनाये रखने में भी होगी। जिसके लिये उन्हें राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से मुक्त नजर भी आना होगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं की कसौटी पर खरे उतरेंगे।

वसुधैव कुटुम्बकम की जीवंत प्रतिमूर्ति और समाज को सदैव सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक हैं मोहन भागवत

भारतीय राजनीति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का रिश्ता नया नहीं है। दोनों का वैचारिक स्रोत समान है, किंतु समय-समय पर दूरी और निकटता की स्थिति भी बनी रहती है। हाल की राजनीतिक घटनाओं ने एक बार फिर इस रिश्ते को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर में संघ मुख्यालय जाना, स्वतंत्रता दिवस के भाषण से लेकर संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75वें जन्मदिन पर लिखे गए भावनात्मक आलेख तक, और हाल ही में मोहन भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद संघ की छत्रछाया को पहले से कहीं अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है। हम आपको याद दिला दें कि भाजपा 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने दम पर स्पष्ट बहुमत हासिल करने में विफल रही थी। अबकी बार 400 पार का नारा देने वाली भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनावों के परिणाम अप्रत्याशित थे। पिछले एक दशक तक भाजपा जिस तरह मोदी के चेहरे और संगठनात्मक शक्ति के बल पर जीत दर्ज करती रही थी, उसमें 2024 का चुनाव परिणाम झटका देने वाला था। देखा जाये तो मोदी का प्रधानमंत्री के रूप में तीसरा कार्यकाल गठबंधन सरकार की मजबूरी के साथ शुरू हुआ। ऐसे माहौल में संघ का सहारा भाजपा के लिए स्वाभाविक था। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में यह धारणा बनी थी कि भाजपा ने चुनावी रणनीति और प्रचार की ताकत से संघ पर निर्भरता कम कर दी है। लेकिन 2024 के चुनाव के बाद तस्वीर बदल गई। संघ के सक्रिय सहयोग और भागवत के आशीर्वाद से भाजपा ने महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा जैसे राज्यों में जीत हासिल की। इन चुनाव परिणामों ने यह संदेश दिया कि संघ के संगठनात्मक नेटवर्क, जमीनी कार्यकताओं और सामाजिक पहुंच के बिना भाजपा की जीत अधूरी है। मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी की हाल की नजदीकियों को इसी संदर्भ में समझना चाहिए। प्रधानमंत्री का संघ प्रमुख की खुलकर तारीफ करना और उनके मार्गदर्शन को राष्ट्रहित से जोड़ना यह बताता है कि भाजपा अब फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट रही है। वहीं, भागवत का प्रधानमंत्री आवास पर जाना यह संकेत देता है कि संघ भी इस समय भाजपा के भीतर शक्ति संतुलन बनाने और उसे स्थिरता प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाना चाहता है। राजनीतिक दृष्टि से यह घटनाक्रम कई संकेत देता है। जैसे केवल मोदी के नेतृत्व और भाजपा की चुनावी मशीनरी से जीत अब सुनिश्चित नहीं है। चुनावी राजनीति में विचारधारा, संगठनात्मक अनुशासन और सामाजिक नेटवर्क की गहराई का कोई विकल्प नहीं है। भाजपा और संघ दोनों को अब यह अहसास है कि एक-दूसरे के बिना उनकी शक्ति अधूरी है। साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के लिए भाजपा को संघ की जमीनी ताकत और वैचारिक छवि दोनों की

आवश्यकता होगी। देखा जाये तो भाजपा की 2024 की असफलता और उसके बाद की राजनीतिक परिस्थितियों ने साफ कर दिया है कि सत्ता की डगर पर अकेले चलने का दावा अब टिकाऊ नहीं है। संघ की शरण में लौटकर भाजपा ने एक तरह से अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का फैसला किया है। महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा की जीतें यह संदेश देती हैं कि जब संघ-भाजपा एक साथ चलते हैं, तब उनकी राजनीतिक ताकत कई गुना बढ़ जाती है। आने वाले समय में यह देखना रोचक होगा कि संघ इस साझेदारी को किस तरह संतुलित करता है और भाजपा किस हद तक अपनी राजनीतिक रणनीतियों में संघ की सलाह और आशीर्वाद को स्थान देती है। इतना तो निश्चित है कि आज की तारीख में भाजपा की राजनीति फिर से उसी पुराने सूत्र पर लौट आई हैझ संघ ही शक्ति का आधार है। जहां तक मोहन भागवत के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखे गये आलेख की बात है तो आपको बता दें कि प्रधानमंत्री ने लिखा है कि 11 सितम्बर का दिन इतिहास में विशेष महत्व रखता है। यह वही तिथि है जब 1893 में स्वामी विवेकानन्द ने शिकागो में अपने ओजस्वी शब्दों झ ह्लर२३ी१२ ंल्लाइ१ङ्गशी१२ ङ्ख औ३ूंह्व झ से भारत की आध्यात्मिक धारा और सार्वभौमिक भाईचारे की अवधारणा को विश्वपटल पर स्थापित किया। यही दिन 2001 में आतंकवाद की विभीषिका का साक्षी भी बना, जब मानवता पर 9/11 का हमला हुआ। एक ओर यह दिन वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश देता है, तो दूसरी ओर यह दिखाता है कि चरमपंथ और हिंसा किस प्रकार सभ्यता को चुनौती देते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि इसी तिथि पर एक और प्रसंग उल्लेखनीय है। यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का जन्मदिन है। जब संघ अपनी शताब्दी के वर्ष में प्रवेश कर रहा है, तब उनका 75वाँ जन्मदिन हमें उनके योगदान और नेतृत्व की भूमिका पर विचार करने का अवसर देता है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि मधुकरराव भागवत के सुपुत्र मोहन भागवत ने अपने जीवन का आरंभ उसी वातावरण में किया, जहाँ राष्ट्र को सर्वोपरि मानने की प्रेरणा सहज ही मिलती थी। 1970 के दशक में प्रचारक बने मोहनराव ने आपातकाल के कठिन समय में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा हेतु संघर्ष किया। ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में कार्य करते हुए उन्होंने समाज की गहराई को समझा और उसकी पीड़ा को अनुभव किया। यही अनुभव आगे चलकर उनके नेतृत्व का आधार बने। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा है कि भागवत जी का नेतृत्व केवल संघ के भीतर सीमित नहीं रहा। उन्होंने संगठनात्मक परम्पराओं को बनाए रखते हुए समय की मांग के अनुसार परिवर्तन किए। गणवेश में बदलाव हो या शिक्षा वर्गों में सुधार, उनका दृष्टिकोण हमेशा व्यावहारिक और भविष्यद्दष्टा रहा। सबसे महत्वपूर्ण यह कि उन्होंने युवाओं के साथ जीवंत संवाद बनाए रखा, जिससे संघ आज के डिजिटल युग में भी प्रासंगिक और सक्रिय बना हुआ है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि कोविड-19 महामारी के समय उनका मार्गदर्शन विशेष रूप से उल्लेखनीय रहा। उन्होंने तकनीक का उपयोग बढ़ाने और सेवा कार्यों को नई ऊर्जा देने की प्रेरणा दी। इसी प्रकार उनके पंच परिवर्तन झ सामाजिक समरसता, पारिवारिक मूल्य, पर्यावरण चेतना, राष्ट्रीय आत्मबोध और नागरिक कर्तव्य झ समाज को नई दिशा देने वाले स्पष्ट सूत्र हैं। यही वे आधार हैं जिन पर एक भारत श्रेष्ठ भारत की कल्पना साकार हो सकती है। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि भागवत जी की सबसे बड़ी विशेषता है उनकी सरलता और श्रवणशीलता। वह विचार सुनते हैं, संवाद करते हैं और फिर निर्णय लेते हैं। यही गुण उन्हें युवाओं, बुद्धिजीवियों और समाज के विविध वर्गों से जोड़ता है। उनकी शैली आदेशात्मक नहीं, बल्कि प्रेरणादायी है। यही कारण है कि स्वयंसेवक सेवा, समरसता और राष्ट्रप्रेम के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहते हैं। प्रधानमंत्री ने लिखा है कि आज भारत अमृतकाल की ओर अग्रसर है। आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिष्ठा के इस दौर में हमें ऐसे नेतृत्वकताओं की आवश्यकता है, जो समाज को सही दिशा दिखा सकें। मोहन भागवत का योगदान इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। वह परम्परा और आधुनिकता, आदर्श और व्यावहारिकता, संगठन और समाजझ इन सबके बीच संतुलन साधते हैं। बहरहाल, 11 सितम्बर का दिन हमें स्वामी विवेकानन्द की सार्वभौमिक दृष्टि और मोहन भागवत के राष्ट्रनिष्ठ नेतृत्वझ दोनों की याद दिलाता है। एक ने विश्व को भारत की आत्मा से परिचित कराया, दूसरे आज उस आत्मा को संगठन और समाज में सशक्त कर रहे हैं। मोहन भागवत न केवल संघ के सरसंघचालक हैं, बल्कि भारतीय समाज को सही दिशा देने वाले प्रेरक भी हैं। भारत की सांस्कृतिक जड़ों को संभालते हुए और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप समाज को तैयार करना, यही उनका सबसे बड़ा योगदान है। इसीलिए कहा जा सकता है कि 75 वर्ष के मोहन भागवत आज वसुधैव कुटुम्बकम् की जीवंत प्रतिमूर्ति हैं, और राष्ट्र की सामूहिक चेतना को नई ऊर्जा देने वाले मार्गदर्शक भी।

भारत तीसरी आर्थिक महाशक्ति होने का ताना-बाना

संजीव ठाकुर

भारत ने चीन के साथ सीमाओं पर होने वाले युद्ध की आशंका को समाप्त करते हुए बातचीत से समझौते का सही रास्ता अख्तियार कर सीमांत मोर्चे पर बजट पर होने वाले चीन से युद्ध की आशंका पर खर्च को काफी हद तक बचा लिया है एवं एक मोर्चे से भारत अब निश्चिंत होकर अपनी आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर हो सकता है। अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के विरोध में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक रूस चीन और अन्य देशों के साथ एक स्वर में परोक्ष रूप से अमेरिकी दादागिरी को लक्ष्य करके इसका विरोध किया है एवं चीन के साथ भारत की होने वाली सौहार्द पूर्वक बातचीत व मित्रता के रास्ते खुलने से यह टू तय है कि यदि चीन भारत से मित्रता का हाथ बढ़ाएगा और युद्ध नहीं करेगा तो पाकिस्तान की इतनी हैसियत नहीं है कि वह चीन के बिना भारत से युद्ध करने की कभी कल्पना भी कर सके । इन परिस्थितियों में भारतीय अर्थशास्त्रियों का अनुमान है की भारत अब विश्व की तीसरी महाशक्ति बनने से काफी नजदीक पहुंच जाएगा और अमेरिका ब्रिटेन फ्रांस कनाडा जैसे देश जो भारत की प्रगति को बहुत ज्यादा पसंद नहीं करते हैं को भारत चीन के इस समझौते से बड़ा झटका ही लगा है। निश्चित तौर पर ये अंग्रेज देश नहीं जाएंगे कि भारत उनकी बराबरी के साथ खड़े होकर आंखों में आंखें डाल कर बात करे सके। भारत स्वतंत्रता की प्राप्ति के बाद अथक प्रयास करने के पश्चात आधुनिक भारत के स्वप्न द्दष्टा प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी कार्यप्रणाली इसी सोच के साथ आगे बढ़ाई थी कि भारत आने वाले समय में एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं आर्थिक रूप से संपन्न राष्ट्र के रूप में वैश्विक स्तर पर उभर कर आएगा। इसी तारतम्य में 1952 से प्रारंभ की गई पंचवर्षीय योजनाओं के तहत कृषि, उद्योग, विज्ञान और स्वास्थ्य में वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा सोच को मूर्त रूप दिया गया था। समय समय मैं सरकारें बदलती रहे और भारत विकास की ओर धीरे-धीरे बढता रहा। आज वर्तमान में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में आर्थिक स्थिति में जबरदस्त विकास किया है, भारत विश्व में पांचवी आर्थिक स्थिति बन चुका है दूसरी तरफ विज्ञान तथा टेक्नोलॉजी में भी अहम स्थान रखता है। सामरिक तौर पर भी भारत की सेना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना विशेष स्थान रखती है ।अब पाकिस्तान या चीन की इतनी हिम्मत नहीं है कि वह सीधा भारत पर आक्रमण कर सकें। भारत ने विकास कर यह साबित कर दिया है भारत अब पुराना भारत नहीं रहा है और अब किसी भी विषम परिस्थिति मैं भारत सीना तान कर खड़ा हुआ है। मैं किसी पार्टी विशेष का पक्षधर नहीं हूं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी ,अटल बिहारी वाजपेई, डॉ मनमोहन सिंह और अब नरेंद्र मोदी जी ने भारत को वैश्विक पटल पर एक सम्मानजनक इस स्थिति में ला खड़ा किया हैस अटल बिहारी जी के नेतृत्व में हम परमाणु शक्ति संपन्न देश बने थे और इंदिरा गांधी जी के नेतृत्व में हमने 1971 में पाकिस्तान को बुरी तरह हराकर कर उसका विभाजन कर बांग्लादेश नामक नए देश का जन्म करवाया थास पर मैं यहां बात विकास के वास्तविक धरातल और देश में गरीबी तथा बेरोजगारी उन्मूलन की करना चाह रहा हूं. हमारा देश अभी भी गरीबी ,बेरोजगारी ,भुखमरी, असमानता, अंधविश्वास, आडंबर और धार्मिक कट्टरपंथ का सामना करते हुए उस गति से विकास नहीं कर पा रहा है जिसके लिए वह अत्यंत समर्थ हैस आज भारत की धमक अमेरिका से लेकर जापान तथा अफ्रीकी देशों में भी है भारत के प्रधानमंत्री मोदी जी का स्वागत अमेरिका फ्रांस ऑस्ट्रेलिया इंग्लैंड ब्राजील इजरायल और सऊदी अरेबिया देश के अनेक राज्यों के राष्ट्रीय प्रमुख हुक्मरानों ने दिल खोलकर किया है, नरेंद्र मोदी की वैश्विक हैसियत इसी बात से पता चलती है कि बाहुबली अमेरिका के राष्ट्रपति ने उनका ऑटोग्राफ लेने की गुजारिश की है और पापुआ न्यू गिनी के राष्ट्र प्रमुख ने उनके चरण छूकर उनका अभिवादन किया ,यह संभवत चमत्कारिक प्रभाव भारत के शक्तिशाली होने एवं वैश्विक शांति के प्रति देश की प्रतिबद्धता के कारण ही हुआ है। पर दूसरी तरफ भारत की अंदरूनी स्थिति में भारत 140 करोड़ की जनसंख्या वाला देश हो गया हैस विकास की कल्पना में भारत आर्थिक तौर पर एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हो, इस स्थान पर गरीबी बेरोजगारी असमानता का उन्मूलन हो चुका हो। इसी तरह भारत कच्चे तेल के संकट से मुक्त होकर उर्जा संपन्न देश बने और भारतीय मुद्रा का चलन वैश्विक स्तर मैं सम्मान पूर्वक हो सके। सामाजिक स्तर पर विभिन्न लक्षित वर्गों जैसे दिव्यांग, वरिष्ठ नागरिक, आदिवासी, महिलाओं तथा बच्चों के लिए लाभकारी नीति बनाई जानी चाहिए। अभी महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के के साथ सामाजिक तथा प्रशासनिक, वैज्ञानिक, चिकित्सकीय स्तर पर केवल कागजों में दिखाई देती है नारी प्रताड़ना का प्रतिशत अभी भी भारत में बहुत ज्यादा है। ग्रामीण क्षेत्र में बाल श्रम की स्थिति विकराल है अनाज का पर्याप्त भंडारण होने के बावजूद भूखमरी तथा बेरोजगारी भारत में सिर चढ़कर बोल रही है। इसी तरह भारत में सुरक्षा की दृष्टि से बहुत बड़ी बड़ी चुनौतियां हैं जैसे धार्मिक उन्माद, नक्सलवाद, चरमपंथी विचारधारा तथा विभिन्न राज्यों के आपसी विवादों से हमें मजबूती से निपटना होगा तब जाकर विकास की अवधारणा को मूर्त रूप दिया जा सकता है।

संविधान की ताकत का नया अहसास

नेपाल में सोमवार से शुरू हुए युवाओं के आंदोलन से सत्ता तो उखड़ ही गई है, समूची व्यवस्था भी तहस-नहस हो चुकी है। सेना ने कमान संभाल कर कर्फ्यू लगाया है, काठमांडू की सड़कों पर एक अजीब सा सन्नाटा कायम हुआ है, लेकिन इस सन्नाटे के उस पार क्या होगा, यह केवल उन्हीं लोगों को पता होगा, जिनकी शह पर पूरा आंदोलन खड़ा हुआ है। फिलहाल प्रधानमंत्री और कम से कम 10 मंत्रियों के इस्तीफे तो हो ही चुके हैं, कुछ गिने-चुने प्रतिनिधि बचे हैं, जिन पर इस्तीफे का दबाव है। सरकार के अलावा मीडिया, कारोबार इन सब पर भी आंदोलनकारियों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। मंगलवार को संसद भवन, राष्ट्रपति का घर, प्रधानमंत्री का घर समेत कई सरकारी संस्थानों पर आंदोलनकारियों ने आग लगा दी। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को भीड़ ने पीटा, पूर्व प्रधानमंत्री झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार की मौत हो गई। नेपाल के सबसे बड़े मीडिया संस्थान कांतिपुर के दफ्तर को जलाया, हिल्टन होटल को जला दिया, जेल तोड़ी, जिसमें कई कैदी भाग गए। कई दुकानों में तोड़-फोड़ की और फ्रिज, एसी जैसे कीमती सामानों की लूट हुई। इतने उपद्रव के बाद सेना ने अपने हाथ में कमान ली है, तो फिलहाल तोड़-फोड़, लूटमार रुकी है। लेकिन आंदोलन अब भी खत्म नहीं हुआ है। क्योंकि प्रदर्शनकारी संविधान बदलने और नयी सरकार के गठन की मांग कर रहे हैं। नेपाल बिल्कुल पड़ोस में है, तो वहां के हालात देश पर असर डालेंगे, ऐसी आशंका बनी हुई है। सोशल मीडिया पर हमेशा की तरह किसी भी घटना पर त्वरित फैसले सुनाने वाले अंदाज में लोग टिप्पणियां कर रहे हैं। अपने-अपने राजनैतिक रुझान के मुताबिक कोई चेतावनी दे रहा है कि

सरकार समझ जाए कि आम आदमी का गुस्सा जब फूटता है, तो कैसे उसके सब्र का बांध टूटता है, कोई सरकार की तारीफ कर रहा है कि हमारे पड़ोसी देशों में इतना कुछ हो रहा है, लेकिन हमारे यहां हालात संभले हुए हैं। बात सही है कि भारत में हजार तरह की तकलीफें और सौ तरह की नाराजगियों के बावजूद ऐसी अराजकता के हालात नहीं बने हैं। लेकिन 2011-12 के दौर को याद करें, जब तत्कालीन सरकार के खिलाफ ऐसी ही नाराजगी की चिंगारी को भड़काने की पूरी कोशिशें हुई थीं। इंडिया अंगेस्ट करप्शन के बैनर तले लोकपाल की मांग पर जो अन्ना आंदोलन खड़ा हुआ था, वह देश को अराजकता की तरफ ही उकसा रहा था। कभी रामदेव, कभी रविशंकर, कभी जग्गी वासुदेव जैसे आध्यात्म का कारोबार करने वाले लोग इस आंदोलन में अपने पूरक अध्याय जोड़ रहे थे। राष्ट्रपति भवन के सामने प्रदर्शन, इंडिया गेट पर प्रदर्शन, रामलीला मैदान में जलसे की तरह चलाया जा रहा आंदोलन सब सरकार को उकसा रहे थे कि वह कोई सख्त कार्रवाई करे और फिर सारी व्यवस्था को हाथ में लेने का मौका आंदोलनकारियों को मिले। लेकिन तत्कालीन यूपीए सरकार ने संयम दिखाया। बार-बार अनशन पर बैठे लोगों के बीच आकर वाताओं के दौर चलाए, ताकि जनता को समझ आ सके, कि जो भी फैसला होगा संविधान के दायरे में रहकर होगा। जो बात संविधान सम्मत नहीं होगी, उसे नहीं माना जाएगा, फिर चाहे सत्ता ही क्यों न चली जाए। ऐसा ही हुआ भी। अन्ना हजारे के आंदोलन को मीडिया ने भरपूर कवरेज दिया, क्योंकि उसे भी सत्ता में परिवर्तन चाहिए था। किरण बेदी जैसे पूर्व पुलिस अधिकारी हाथ में तिरंगा लेकर अन्ना हजारे के मंच से ऐसे लहराते थे, मानो तिरंगे पर निर्वाचित सरकार का कोई हक है ही नहीं। बहरहाल, आंदोलन खत्म हुआ, इंडिया अंगेस्ट करप्शन कहां गया पता नहीं, लोकपाल का कानून बना, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ, अन्ना हजारे अपने गांव पहुंच गए और अरविंद केजरीवाल सत्ता में आ गए। किरण बेदी की राजनैतिक महत्वाकांक्षाएं भी पूरी हुईं, कुमार विश्वास अब सेलिब्रिटी कवि, कथावाचक और राजनैतिक विश्लेषक बन चुके हैं, उनकी बेटी की तीज हो तो पूर्व केन्द्रीय मंत्री पधारती हैं। कहने का आशय यह कि हरेक को अपने-अपने हिस्से का लाभ मिल गया। भाजपा को तो खैर पूरी की पूरी सत्ता ही मिल गई। इस तरह अन्ना आंदोलन की कीमत यूपीए सरकार ने अपनी सत्ता खोकर चुका दी। जिन लोगों को सत्ता मिली है, उनका संविधान में अब कितना यकीन है या नहीं है, यह अलग सवाल है। लेकिन उस समय देश में जिस किस्म की अराजकता फैलाकर सत्तापलट की कोशिशें हुई थीं।

सी.पी. राधाकृष्णन: एक नये अध्याय की शुरुआत

भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों के सांसदों ने अपने वोट डालें। सत्तारूढ़ एनडीए के उम्मीदवार तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार वरिष्ठ अधिवक्ता बी सुदर्शन रेड्डी को परास्त कर 15वें उपराष्ट्रपति के रूप में जीत दर्ज की और एक नये इतिहास का सृजन किया है। निर्वाचन अधिकारी राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी के अनुसार मतदान संसद भवन के वसुधा स्थित कमरा संख्या एफ-101 में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। यह ऐतिहासिक घटना केवल उपराष्ट्रपति पद के चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि भारतीय राजनीति में बदलते समीकरणों और भविष्य की दिशा का संकेत भी देती है। सी.पी. राधाकृष्णन का 17वें उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होना न केवल एनडीए और भाजपा की रणनीतिक सूझबूझ का परिणाम है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि व्यक्ति चयन की प्रक्रिया को उन्होंने केवल राजनीतिक समीकरण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसमें व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण को जोड़ा। एनडीए के प्रत्याशी के रूप में राधाकृष्णन ने इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को परास्त किया, इसकी संभावनाएं पहले से व्यक्त की जा रही थी। यह जीत केवल संख्याओं का खेल नहीं है, बल्कि यह विचारधारा, दृष्टि और नेतृत्व की जीत है। उपराष्ट्रपति पद संवैधानिक गरिमा का प्रतीक होता है, जहाँ राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित सर्वोपरि हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व ने राधाकृष्णन जैसे व्यक्ति को चुनकर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके लिए संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति का व्यक्तित्व, नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण सर्वोपरि है। इस शानदार जीत के कई निहितार्थ हैं। पहला, यह भाजपा और एनडीए की राजनीतिक पकड़ और संगठनात्मक शक्ति को और मजबूत करता है। दूसरा, यह विपक्षी इंडिया गठबंधन की कमजोरियों और आंतरिक मतभेदों को उजागर करता है। तीसरा, यह भविष्य की राजनीति की उस दिशा को दशार्ता है जहाँ व्यक्तिगत ईमानदारी, सामाजिक स्वीकार्यता और राष्ट्रीय दृष्टि को अधिक महत्व मिलेगा। सी.पी. राधाकृष्णन का चयन इस मायने में भी ऐतिहासिक है कि वे राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर काम करने वाले ऐसे नेता माने जाते हैं जिनकी पहचान केवल पार्टी तक सीमित नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिनिधि के रूप में भी है। यह कदम भाजपा की उस राजनीति की भी झलक देता है जहाँ वह केवल चुनावी जीत की ओर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन सांस्कृतिक और वैचारिक स्थिरता की ओर अग्रसर है। यह कहा जा सकता है कि इस चुनाव में एक तीर से अनेक निशाने साधे गए हैं, एनडीए की शक्ति का प्रदर्शन, विपक्ष को स्पष्ट संदेश, संवैधानिक गरिमा की रक्षा, और भविष्य की राजनीति में व्यक्ति चयन की एक नई परंपरा का सूत्रपात। भारत की राजनीति में यह एक ऐसा क्षण है जिसे केवल चुनावी जीत के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की व्यापक प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए। भाजपा ने एक और तीर साधा है। जैसाकि तमिलनाडु की राजनीति परंपरागत रूप से द्रविड़ आंदोलनों और क्षेत्रीय पहचान से प्रभावित रही है, जहां पिछले कई दशकों से डीएमके और एआईएडीएमके का दबदबा रहा है। भाजपा के लिए इस राज्य में राजनीतिक जमीन तैयार करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को महज 4 सीटें मिलीं, जबकि एनडीए गठबंधन को कुल 66 सीटों पर सफलता हासिल हुई। यह स्पष्ट करता है कि तमिलनाडु में भाजपा की पकड़ अभी कमजोर है और उसे क्षेत्रीय भावनाओं, भाषा और संस्कृति से जुड़े सवालों पर गहरी पैठ बनाने की जरूरत है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाकर एक रणनीतिक दांव खेला है। राधाकृष्णन तमिलनाडु से आते हैं और उनकी पहचान को आगे रखकर भाजपा राज्य की राजनीति में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाना चाहती है। इससे भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह तमिल अस्मिता, संस्कृति और क्षेत्रीय नेतृत्व को सम्मान देती है। राधाकृष्णन की उम्मीदवारी से भाजपा को उम्मीद है कि वह आने वाले विधानसभा चुनावों में अपनी उपस्थिति और प्रभाव को विस्तार दे सकेगी और द्रविड़ राजनीति के लंबे प्रभुत्व को चुनौती देने का आधार बना सकेगी। भारत का उपराष्ट्रपति पद एवं उपराष्ट्रपति मंत्रालय भारतीय लोकतंत्र की गरिमा और संतुलन का प्रतीक है। यह पद केवल औपचारिकता का केंद्र न होकर भारतीय संसद के उच्च सदन का अध्यक्ष होने के कारण संवाद, विचार और लोकतांत्रिक विमर्श की आत्मा को दिशा देता है। स्वतंत्र भारत की इस परंपरा को जब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जैसे दार्शनिक, विचारक और शिक्षाविद ने अपने व्यक्तित्व और कार्य से ऊँचाई दी, तब यह पद राष्ट्र के सांस्कृतिक, नैतिक और बौद्धिक आदर्शों का संवाहक बन गया। उनके माध्यम से यह संदेश गया कि उपराष्ट्रपति का पद केवल राजनीतिक महत्व का नहीं बल्कि राष्ट्रीय मूल्यों के संरक्षण और विकास का भी दायित्व वहन करता है।

नूपुर ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक पक्का किया, निकहत बाहर

लिवरपूल, महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती नूपुर ने चैंपियनशिप के अपने पहले मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर 80 किग्रा से अधिक वर्ग के अंतिम चार में प्रवेश किया। हेवीवेट मुक्केबाज नूपुर श्योराण ने मौजूदा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक सुनिश्चित किया जब बुधवार को यहां उन्होंने उज्बेकिस्तान की ओल्टीनॉय सोतिमबोएवा को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई जबकि दो बार की चैंपियन निकहत जरीन को क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। निकहत को तुर्की की काकिरोग्लू बुसे नाज ने 5-0 से शिकस्त दी। महान मुक्केबाज हवा सिंह की पोती नूपुर ने चैंपियनशिप के अपने पहले मुकाबले में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर 80 किग्रा से अधिक वर्ग के अंतिम चार में प्रवेश किया। इस वर्ग में सिर्फ 10 मुक्केबाज हिस्सा ले रहे हैं। इस जीत के साथ नूपुर ने कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया।

कुनिका सदानंद के सपोर्ट में आईं शिखा मल्होत्रा

बोलीं- अमाल-जीशान गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं

बिग बॉस 19 इन दिनों काफी चचाओं में है। बीते दिनों तान्या मित्तल की परवरिश पर टिप्पणी करने के लिए कुनिका की आलोचना हुई थी। अब एक्ट्रेस शिखा मल्होत्रा ने कुनिका का समर्थन किया है। दिन-पे-दिन बिग बॉस 19 में रोमांच बढ़ता जा रहा है। इस समय शो में कंटेस्टेंट्स के बीच जबरदस्त नोकझोंक देखने को मिल रही है। कुछ दिनों पहले कुनिका सदानंद ने तान्या मित्तल की परवरिश को लेकर टिप्पणी की थी, जिसका बिग बॉस के घरवालों ने भी विरोध किया था। अब एक्ट्रेस और कोविड वॉरियर शिखा मल्होत्रा ने कुनिका का समर्थन किया है। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा। शिखा ने कुनिका का किया समर्थन हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में शिखा मल्होत्रा बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट का पुरजोर समर्थन करती नजर आ रही हैं। उन्होंने कहा, मैं कुनिका जी को मजबूती के साथ समर्थन देती हूं। व्यवहार की बात की जाए तो उन्होंने कोई मां-बहन की गाली नहीं दी है। उन्होंने तान्या की मां के बारे में कुछ नहीं कहा, सिर्फ ये बोला कि आपको बेसिक मैनर पता होना चाहिए। आगे बात करते हुए शिखा ने कुनिका सदानंद को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'पहले उन्होंने कहा कि वो किसी की मां नहीं है। अब सब उन्हें मां बना रहे हैं और जब वो मां जैसी बातें कर रही हैं, तो सब उनका विरोध कर रहे हैं।' अमाल-जीशान गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं इसके आगे उन्होंने कहा कि कुनिका के इस बयान के बाद बिग बॉस 19 शो में सब गड़े मुर्दे उखाड़ रहे हैं। शिखा ने कहा, अमाल मलिक की नींद खुल गई और जीशान को अपनी मां याद आ गईं। ये सब बकवास है, बिल्कुल भेड़चाल गेम चल रहा है। हर हफ्ते की तरह इस बार भी सस्पेंस बरकरार है कि आखिर किस कंटेस्टेंट का सफर यहां थमेगा। इस वीकएंड वार में बिग बॉस 19 के घर से कौन होगा बाहर? शायद पता चल सकता है।

दिलजीत दोसांझ का होम्बले फिल्म्स की कंतारा : चौप्टर 1 में होगा स्पेशल गाना

होम्बले फिल्म्स की फिल्म कंतारा चौप्टर 1 इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक है। यह बिना किसी शक सबसे बड़ी पैन-इंडिया फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जब से इस फिल्म की घोषणा हुई है, तब से चचाएं जोरो पर है। फिल्म को लेकर बढ़ती हुई उत्सुकता के बीच, अब एक ओर दिलचस्प अपडेट सामने आया है, जिसके मुताबिक फिल्म में जाने माने सिंगर दिलजीत दोसांझ एक गाने को अपनी आवाज से सजाने वाले हैं। कंतारा चौप्टर 1 की चर्चा हर बीतते दिन के साथ ही बढ़ती जा रही है। ऐसे में एक रोमांचक खबर सामने आई है कि इस फिल्म में मशहूर पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ का एक गाना शामिल होगा। जिसकी रिकॉर्डिंग कल मुंबई के ल्थ स्टूडियोज, अंधेरी में होगी। यह एक और बड़ा सहयोग है, जो सच में फिल्म की भव्यता को और बढ़ाने वाला है। कंतारा चौप्टर 1 में दिलजीत दोसांझ के साथ मेकर्स का यह कोलैबोरेशन एक खास सहयोग है, क्योंकि इसके जरिए दो बड़े कल्चर आइकॉन साथ आ रहे हैं। एक तरफ, श्कंताराश ने भारत की संस्कृति को उसकी जड़ों से दुनिया के सामने मजबूत तरीके से पेश किया है, वहीं दूसरी तरफ, दिलजीत दोसांझ ने अपने गानों के जरिए भारतीय संस्कृति को ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर पहुंचाने के साथ, उसे जिंदा रखा है। इस तरह से दोनों ने मिलकर भारत का नाम दुनिया भर में रोशन किया है। कंतारा चौप्टर 1 होम्बले फिल्म्स की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक है। इसकी क्रिएटिव टीम में म्यूजिक डायरेक्टर बी. अजनिश लोकनाथ, सिनेमैटोग्राफर अरविंद कश्यप और प्रोडक्शन डिजाइनर विनेश बंगालन शामिल हैं, जिन्होंने फिल्म की दमदार विजुअल और इमोशनल नैरेटिव को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है। इसके अलावा, होम्बले फिल्म्स 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं

छोड़ रही है। मेकर्स ने कंतारा चौप्टर 1 के लिए नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट के साथ एक बड़ा वॉर सीक्वेंस तैयार किया है, जिसमें 500 से ज्यादा कुशल फाइटर्स और 3,000 लोग शामिल हैं। यह सीक्वेंस 25 एकड़ में फैले एक पूरे शहर में, ऊबड़-खाबड़ इलाके में 45-50 दिनों के दौरान फिल्माया गया था, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे बड़े सीक्वेंसेज में से एक बनाता है। यह फिल्म 2 अक्टूबर को दुनिया भर में कन्नड़, हिंदी, तेलुगु, मलयालम, तमिल, बंगाली और अंग्रेजी भाषाओं में रिलीज होगी। यह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए भी अलग-अलग भाषाओं और क्षेत्रों के दर्शकों तक पहुँचेगी। फिल्म कंतारा चौप्टर 1 के साथ, होम्बले फिल्म्स भारतीय सिनेमा की सीमाओं को आगे बढ़ा रही है। यह फिल्म लोककथाओं, आस्था और सिनेमा की शानदार कारीगरी का जश्न मनाती है।

रंगीला के 30 साल पूरे, राम गोपाल वर्मा की क्लासिक फिल्म फिर से दिखेगी सिनेमाघरों में

नब्बे के दशक में रिलीज हुई राम गोपाल वर्मा की सुपरहिट फिल्म रंगीला जल्द ही बड़े परदे पर वापसी कर रही है। आमिर खान-उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ स्टारर रंगीला को 30 साल पूरे होने पर इस ब्लॉकबस्टर फिल्म को अक्टूबर में दर्शकों के लिए फिर से रिलीज किया जाएगा। फिल्म को फिर से वही 30 साल पुराना फील देने के लिए अपग्रेडेड साउन्ड और पिक्चर क्वालिटी के साथ रिलीज किया जाएगा। 30 साल पहले 8 सितंबर, 1995 को रिलीज हुई फिल्म रंगीला उस समय की जबरदस्त हिट साबित हुई थी जिसको अपनी अनोखी कहानी, मनमोहक दृश्यों, और ए आर रहमान के साउंडट्रैक के लिए याद किया जाता है। यह वही फिल्म है जिसमें ए आर रहमान में अपना पहला मौलिक संगीत दिया था। आमिर खान, उर्मिला मातोंडकर और जैकी श्रॉफ के अभिनय, डायनामिक कोरियोग्राफी और यादगार गानों ने दर्शकों के दिलों पर राज किया था। अल्ट्रा मीडिया के पॉपुलर इनिशिएटिव अल्ट्रा रीवाइन्ड के एक हिस्से के रूप में फिल्म के दोबारा रिलीज करने का उद्देश्य पुराने प्रसंशकों के लिए फिर से वही जादू जगाना और नई पीढ़ी को इसके चार्म से रूबरू कराना है। उर्मिला मातोंडकर ने री-रिलीज से पहले फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, ष्यह मेरे लिए कभी सिर्फ एक फिल्म नहीं थी। यह एक बेहद खास एहसास था, और आज भी है। जिसमें खुशी थी, उम्मीदें थीं, सपने थे३ और सबसे बढ़कर, जिंदगी को सेलिब्रेट करने का मौका था। निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने कहा, जब रंगीला आई थी, उस वक्त की फिल्मों में प्रेम कहानियों को जरूरत से ज्यादा खींचा जाता था और गानों का इस्तेमाल तो बस टाइम पास के लिए होता था। मेरे लिए रंगीला एक ख्वाब था, एक उम्मीद थी। श्मिलीश उस हर आम इंसान की तस्वीर थी जो कुछ बड़ा करने और बड़े सपने देखने की हिम्मत करता है। मुन्ना और कमल उस सपने के दो पहलू थे कृ एक सड़क की जिंदगी से जूझता चालाक लड़का और दूसरा चमकता-दमकता हीरो कृ दोनों असली, दोनों में ही कमियां थीं, लेकिन दोनों ही बेहद जरूरी। अब जब फिल्म फिर से रिलीज हो रही है, खुशी इस बात की है कि आज की नई पीढ़ी इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देख पाएगी। अल्ट्रा मीडिया के सीईओ सुशील कुमार अग्रवाल ने कहा, ष्रंगीला को सिनेमाघरों में वापस लाकर हमें बेहद खुशी हो रही है। यह 90 के दशक की एक ऐतिहासिक फिल्म है, और इसके दोबारा रिलीज से पुराने और नए दर्शक, दोनों ही इसके सदाबहार आकर्षण को महसूस कर पाएंगे। सात फिल्मफेयर अवॉर्ड जीतने वाली ये फिल्म, जिसमें ए. आर. रहमान को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर का अवॉर्ड भी मिला था, प्रेम कहानियों पर आधारित फिल्मों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई थी। रंगीला को बॉलीवुड में नए दौर की सोच और स्टाइल लाने में बड़ी और अहम भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। फिल्म अक्टूबर में सिनेमागृहों में रिलीज होगी।

बॉलीवुड में गूंज उठी खेसारी लाल की आवाज, पहले हिंदी गाने पर धड़ाधड़ हो रही व्यूज की बरसात

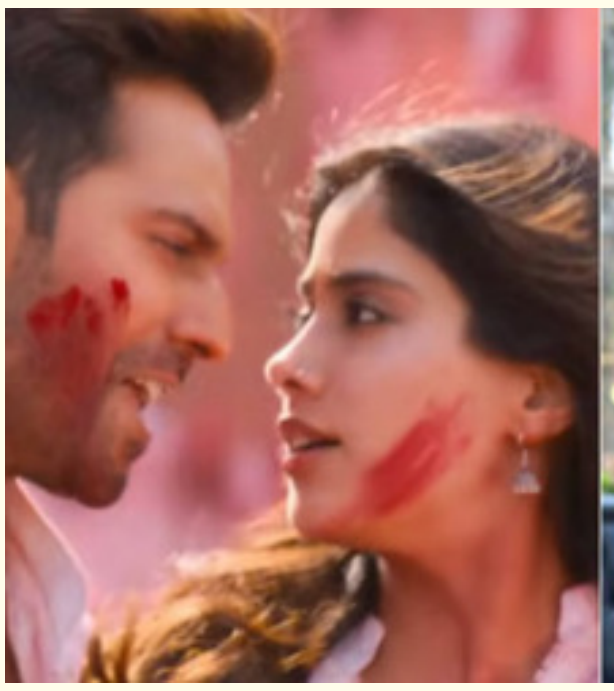

खेसाली लाल यादव भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार हैं। उनके अभिनय और अदाकारी दोनों का हल्ला बोलता है। अब उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा है। हालांकि, आगाज बतौर सिंगर किया है और पहला गाना है 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का 'पनवाड़ी'। यह गाना ट्रेंड कर रहा है। भोजपुरी सिनेमा के पावर स्टार पवन सिंह के बाद खेसारी लाल यादव ने भी बॉलीवुड में दस्तक दे दी है। उन्होंने वरुण धवन और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का 'पनवाड़ी' गाना गाया है। इस गाने पर फैंस दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं और 24 घंटे से भी कम वक्त में गाने को तीन मिलियन से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। लाइक्स और व्यूज की हो रही बौछार फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' अक्तूबर में रिलीज होगी। इसमें जान्हवी कपूर, वरुण धवन के अलावा रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम भूमिका में हैं। 'पनवाड़ी' गाना इन्हीं चारों पर फिल्माया गया है। गाना कल बुधवार को पैनोरमा म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ था। इस पर लाइक्स और व्यूज की खूब बौछार हो रही है। भोजपुरिया शेर की बॉलीवुड में दहाड़ 'पनवाड़ी' गाना जितनी खूबसूरती से गाया गया है, उतनी ही खूबसूरती से फिल्माया भी गया है। गाना खेसारी लाल यादव, मासूम शर्मा, देव नेगी, प्रीतम और निकिता गांधी ने गाया है। गाने को अब तक 34,11,365 व्यूज मिल चुके हैं। इस गाने पर खेसारी के फैंस की दिलचस्प प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर्स लिख रहे हैं, 'इंटरनेशनल स्टार का एक और ब्लास्ट'। एक यूजर ने लिखा, 'जो हर जगह अपना जलवा दिखाते हैं उसे बिहारी कहते हैं, जो भोजपुरी इंडस्ट्री में अपना झंडा लहरा दें उसे खेसारी कहते हैं'। एक यूजर ने लिखा, 'भोजपुरिया शेर आज बॉलीवुड में दहाड़ रहा है'। कब रिलीज होगी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' बता दें कि 'पनवाड़ी' एक होली स्पेशल सॉन्ग है। चारों सितारों ने धमाकेदार डांस किया है। बात करें फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' की तो यह फिल्म 2 अक्तूबर 2025 को रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन शशांक खेतान ने किया है।

अधिकारों की सुरक्षा के लिए कोर्ट पहुंचे थे अभिषेक बच्चन, दिल्ली एचसी ने गूगल को तुरंत फोटोज हटाने का दिया निर्देश

बॉलीवुड एक्टर अभिषेक बच्चन ने बीते दिन दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया था, जहां उन्होंने अपने नाम, तस्वीर और छवि के गलत इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। वहीं, इस मामले पर अब विचार करते हुए कोर्ट ने गूगल को निर्देश दिया है कि वो इन फोटोज को हटा दें। बीते बुधवार दिल्ली हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान अभिषेक बच्चन के वकील ने आरोप लगाया कि कई कंपनियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उनके नाम पर फर्जी मर्चेंडाइजिंग कर रहे हैं। कुछ जगहों पर उनके फर्जी पोस्ट और ऑटोग्राफ वाली तस्वीर बेची जा रही है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर आपत्तिजनक वीडियो बनाए गए हैं जिससे उनकी छवि को नुकसान हो सकता है। मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा- अगर अभिषेक बच्चन की टीम अलग-अलग लिंक की सूची सौपेगी तो गूगल और अन्य प्लेटफार्म को उन्हें हटाने का निर्देश दिया जा सकता है। मामले की सुनवाई करने वाले जस्टिस तेजस करिया ने यह भी कहा कि जब तक अभिषेक बच्चन की तस्वीरो का इस्तेमाल करने वाले लोगों की असली पहचान नहीं होती तब तक सीधे नोटिस जारी करना मुश्किल होगा। इसके साथ ही दिल्ली हाई कोर्ट में गूगल की ओर से पेश वकील ने कहा कि ज्यादातर लिंक कुछ खास डिफेंडेंट्स ने अपलोड किए हैं और गूगल उन्हें हटाने के लिए तैयार है।

किरदार के लिए स्लम्स का एक्सपीरियंस लिया, उनका लहजा सीखा और कपड़े भी इसी हिसाब से पहने : दिव्या

एक चतुर नार डायरेक्टर उमेश शुक्ला की फिल्म है जो 12 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म थ्रिलर और कॉमेडी का अनोखा मेल है जिसमें लखनऊ के स्लम्स की पृष्ठभूमि पर अमीर-गरीब की जिंदगी की टकराहट को दिलचस्प अंदाज में दिखाया गया है। फिल्म में दिव्या खोसला, नील नितिन मुकेश, सुशांत सिंह, यशपाल शर्मा, जाकिर हुसैन, छाया कदम, हेली दारूवाला और गीता अग्रवाल शर्मा शामिल हैं। इस फिल्म के बारे में स्टारकास्ट नील नितिन मुकेश और दिव्या खोसला और डायरेक्टर उमेश शुक्ला ने खास बातचीत की। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश

सवाल- इस फिल्म का टाइटल एक चतुर नार कैसे आया?

जवाब- इस फिल्म का टाइटल कहानी और कैरेक्टर से आया। हमारी मुख्य लड़की बेहद स्मार्ट और चतुर है। जब हमने स्क्रिप्ट लिखी तभी यह महसूस हुआ कि यह टाइटल सबसे ज्यादा सूट करेगा। कहानी के अनुसार ही कैरेक्टर और टाइटल दोनों तय हुए। आपने यह गाना सुना होगा एक चतुर नार तो हमने भी मूर और थ्रिलर के संगम के साथ नए रूप में पेश किया है। यह कोई पुराना वर्जन नहीं है बल्कि नया और इंटरेस्टिंग अंदाज है।

सवाल- एक्टिंग से डायरेक्शन तक अब आप एक चतुर नार जैसी फिल्म को अपने करियर में कहां प्लेस करते हैं?

जवाब- देखिए एक चतुर नार मेरे लिए एक खास फिल्म है क्योंकि ये अब तक की मेरी फिल्मों से जॉनर के लिहाज से काफी अलग है। मैंने पहले कभी थ्रिलर अटेम्प्ट नहीं किया था लेकिन थिएटर में जरूर किया है जैसे गुलाम बेगम बादशाह या शेर छेर जैसे थ्रिलर प्ले किए हैं लेकिन फिल्म में ये मेरा पहला अनुभव है इस जॉनर के साथ। अक्सर ऐसा होता है कि जब आपकी कोई फिल्म जैसे ओह माय गॉड या 102 नॉट आउट हिट होती है तो प्रोड्यूसर्स उसी टोन की स्क्रिप्ट लेकर आते हैं। लेकिन जब ये स्क्रिप्ट आई तो मुझे लगा कि अब इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करने का वक्त है। और मेरा हमेशा से मानना रहा है कि फिल्म सिर्फ एक एंटरटेनर बन कर न रह जाए उसमें कोई एक बात जरूर हो जो दर्शक अपने साथ लेकर जाए। इस फिल्म में मुझे मूर और थ्रिल का शानदार मेल भी मिला और जब इतनी मजबूत कास्ट और टीम आपके साथ हो तो आप खुद को वाकई में ब्लेस्ड महसूस करते हैं।

सवाल- आपने थिएटर और फिल्मों दोनों में काम किया है। आपके लिए दोनों में क्या अंतर है और कौन-सा क्राफ्ट ज्यादा चुनौतीपूर्ण लगता है?

जवाब- मेरे लिए दोनों क्राफ्ट्स बराबर चुनौतीपूर्ण हैं। थिएटर में आपको सिर्फ सात-आठ सीन में पूरी कहानी कहनी होती है जो अपने आप में एक बड़ा चैलेंज है। वहीं फिल्म में वही कहानी अगर सौ या उससे भी ज्यादा सीन में फैलानी हो तो उसे उस फॉर्मेट में ढालना भी उतना ही मुश्किल होता है। थिएटर की खास बात ये है कि वहां आपको इंस्टेंट रिस्पॉन्स मिल जाता है अगर कुछ काम नहीं कर रहा तो अगले शो में आप उसे बदल सकते हैं। लेकिन फिल्म में वो मौका नहीं होता इसलिए मैं स्क्रिप्ट मिलने के बाद उसे लोगों को सुनाता हूं रिएक्शन लेता हूं कई लोगों को पढ़ने भी देता हूं जिससे बेहतर समझ बनती है। दोनों ही माध्यमों की अपनी-अपनी खूबियां और चुनौतियां हैं और मैं दोनों को ही पूरी तरह एंजॉय करता हूं।

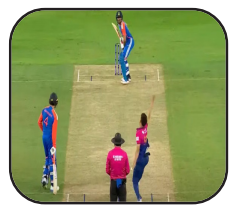

यूएई के खिलाफ शुभमन का गगनचुंबी छक्का; ढअड के वसीम अकरम भी रह गए दंग, कमेंट्री करते हुए कही यह बात

दुबई , गिल का छक्का इतना शानदार था कि कमेंट्री कर रहे पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। भारत का अगला मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ है। एशिया कप 2025 के पहले मुकाबले में भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को नौ विकेट से हराकर अभियान की शानदार शुरूआत की। टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने वापसी करते हुए नौ गेंदों में नाबाद 20 रन बनाए। इस छोटी लेकिन प्रभावी पारी में उन्होंने दो चौके और एक गगनचुंबी छक्का जड़ा। गिल का छक्का इतना शानदार था कि कमेंट्री कर रहे पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। अकरम ने कहा, 'यह शॉट देखो, यह शॉट देखो...अविश्वसनीय शॉट ! गेंद सीधे स्टैंड में जा पहुंची। सिर्फ कलाई का हल्का झटका और गजब का छक्का।' इस छक्के का वीडियो भी सामने आया है। आसान रहा भारत का लक्ष्य भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए यूएई को महज 57 रन पर ढेर कर दिया। कुलदीप यादव ने 2.1 ओवर में सात रन देकर चार विकेट लिए, जबकि शिवम दुबे ने तीन विकेट झटके।

नेपाल को कब मिलेगी अंतरिम सरकार? जेन-जी के एक समूह ने किया कार्की का विरोध; नए नाम का प्रस्ताव

काठमांडू , नेपाल में हालात अब भी तनावपूर्ण हैं। फिलहाल किसी भी तरह की हिंसा की खबर नहीं है। हालांकि, बीते दिनों जो कुछ भी हुआ, उसे लेकर लोगों में दहशत है। सेना ने मोर्चा संभाला हुआ है। अगले आदेश तक कर्फ्यू जारी है। इससे पहले कथित भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों के बीच नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने 9 सितंबर को इस्तीफा दे दिया था। इस बीच नेपाल के सेना प्रमुखने राष्ट्रपति को मौजूदा हालात के बारे में बताया है। सेना और जेन-जी के बीच बातचीत का दूसरा दौर भी जारी है। नेपाल में सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध प्रदर्शन के बीच फैली हिंसा, तोड़फोड़ और आगजनी रोकने के लिए सेना सड़कों पर है। प्रदर्शनों पर राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के आदेश के साथ कर्फ्यू लगा दिया है। इस बीच आंदोलनकारी अंतरिम सरकार बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच नेपाल में अंतरिम सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम सरकार के नेतृत्व के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नाम का प्रस्ताव किया है। काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह बालेन ने भी इसका समर्थन किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि पहले बिना देर किए संसद भंग करनी चाहिए और फिर अंतरिम सरकार का गठन किया जाना चाहिए। कई जेन जी एनजीओ ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किए हैं। इस बीच नेपाली सेना, नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल और जेन-जी युवाओं के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत जारी है। ञ्ल्ले के नेताओं ने नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री पद के लिए सर्वसम्मति से अपना उम्मीदवार चुना है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आज की चर्चा में इस निर्णय का औपचारिक रूप से समर्थन किए जाने की संभावना है। कार्की की टीम और सेना प्रमुख अशोक राज सिगडेल सहित सेना नेतृत्व के बीच बातचीत जारी है। बातचीत का सिलसिला शीतल निवास स्थित राष्ट्रपति कार्यालय तक जा सकता है। पहले जानते हैं नेपाल में अब तक क्या-क्या हुआ? नेपाल में जेन-जी समूह के नेतृत्व में दो दिन चले सरकार विरोधी हिंसक आंदोलन में 34 लोगों की मौत हो गई, जबकि 1300 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पुलिस और अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। संसद भवन की इमारत के सामने विरोध प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में 19 लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकांश युवक शामिल थे। काठमांडू के कोटेश्वर इलाके में मंगलवार को भीड़ के हमले में तीन पुलिसकर्मी मारे गए। इसके अलावा कालीमाटी थाने में पुलिस और प्रदर्शनकारियों की झड़प में तीन प्रदर्शनकारी मारे गए। गृह मंत्रालय के अधिकारियों के मुताबिक, इन प्रदर्शनों के दौरान कुल 633 लोग घायल हुए हैं। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी व विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा भी प्रदर्शनकारियों के हमले में घायल हो गए। नेपाल की सेना ने बुधवार को विरोध प्रदर्शनों की आड़ में संभावित हिंसा को रोकने के लिए देशव्यापी प्रतिबंधात्मक आदेश और कर्फ्यू लागू कर दिए। यह कदम बड़े पैमाने पर सरकारी विरोधी प्रदर्शनों के कारण प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे के एक दिन बाद उठाया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने सहायता के लिए आपातकालीन नंबर भी साझा किए हैं। काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास से +977-980 860 2881 (व्हाट्सएप कॉल भी) और +977-981 032 6134 (व्हाट्सएप कॉल भी) पर संपर्क किया जा सकता है। नेपाल की एक जेल में गुरुवार को सुरक्षाकर्मियों के साथ झड़पों में कम से कम तीन कैदियों की मौत हो गई, जबकि इस हिमालयी राष्ट्र में हिंसक सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद से देश भर की दो दर्जन से ज्यादा जेलों से 15,000 से ज्यादा कैदी फरार हो गए हैं। ऐसे में अब तक मरने वाले कैदियों की संख्या आठ हो गई है। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने अब तक नेपाल की जेल से भागे 60 कैदियों को गिरफ्तार किया है। इन सभी को भारत-नेपाल सीमा पर विभिन्न चौकियों पर रखा गया है। सभी कैदियों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया है। देश में अंतरिम सरकार बनाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। सेना मुख्यालय में जेन-जी और अफसरों के बीच दूसरे दौर की बातचीत चल रही है। बीते दिन भी करीब नौ घंटे से ज्यादा समय तक बातचीत का दौर चला था। इस बीच सेना प्रमुख ने राष्ट्रपति को मौजूदा हालात के बारे में अवगत कराया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की भी सेना मुख्यालय पहुंच गई हैं। इस बीच खबर है कि जेन-जी के एक समूह ने कार्की के नाम का विरोध किया है। उन्होंने अंतरिम सरकार के नेतृत्व के लिए कुलमान घिसिंग के नाम का प्रस्ताव किया है। इसे लेकर सेना मुख्यालय के बाहर जेन-जी समूहों के बीच झड़प भी हुई। निषेधाज्ञा और कर्फ्यू कल सुबह 6 बजे तक बढ़ा काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर जिलों में निषेधाज्ञा और कर्फ्यू कल सुबह 6 बजे तक बढ़ा दिया गया है। हालांकि, आवश्यक सेवा वाले वाहन और संस्थान चल सकते हैं। नेपाली सेना कि लोगों के जीवन को आसान बनाने के लिए हम अनुरोध करते हैं कि भाद्रपद 26 को सुबह 6 बजे से 9 बजे तक और शाम 5 बजे से 7 बजे तक दैनिक आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध रहें, लेकिन हम आपसे छोटे-छोटे समूहों में काम करने का आग्रह करते हैं। अब क्या कह रहे जेल-जी जेन-जी नेता दिवाकर दंगल ने कहा, 'हम नेतृत्व संभालने के काबिल नहीं हैं और नेतृत्व संभालने के लिए हमें परिपक्व होने में समय लगेगा। हमें तोड़ने की कोशिशें हो रही हैं। पार्टी के कुछ सदस्यों को यह गलतफहमी है कि वे घुसपैठ करके फूट डाल सकते हैं। यह खून-खराबा आपकी (पुराने नेताओं की) वजह से है। अगर लोग खून-खराबा शुरू करेंगे, तो वे बच नहीं पाएंगे। हम खून-खराबा नहीं चाहते। हम संसद भंग करना चाहते हैं, संविधान रद्द नहीं करना चाहते।' अनिल बनिया ने कहा, 'हमने यह आंदोलन बुजुर्ग नेताओं से तंग आकर किया था। हमने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था, लेकिन राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने आगजनी की और फिर बुनियादी ढांचे में तोड़फोड़ की। ऑनलाइन सर्वेक्षणों के जरिए जेन-जी नेताओं ने सुशीला कार्की को वोट दिया। हम संविधान बदलने की कोशिश नहीं कर रहे, बल्कि उसमें जरूरी बदलाव करने की कोशिश कर रहे हैं। छह महीने के भीतर, हम चुनाव लड़ेंगे।' जेन-जी नेता जुनल गदल ने कहा कि हमें देश के संरक्षक के रूप में सुशीला कार्की (नेपाल की पूर्व मुख्य न्यायाधीश) को सर्वश्रेष्ठ विकल्प के रूप में चुनना चाहिए। वहीं, दिवाकर दंगल का कहना है कि हम यह आंदोलन भ्रष्टाचार के खिलाफ कर रहे हैं, क्योंकि यह वाकई है। बालेन ने क्या कहा... काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने ट्वीट किया, 'प्रिय जेन-जी और सभी नेपालियों से मेरा अनुरोध है कि देश इस समय एक अभूतपूर्व स्थिति से गुजर रहा है। आप अब एक सुनहरे भविष्य की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कृपया इस समय घबराएं नहीं, धैर्य रखें। अब देश को एक अंतरिम सरकार मिलने वाली है, जो देश में नए चुनाव कराएगी। इस अंतरिम सरकार का काम चुनाव कराना और देश को एक नया जनादेश देना है।' उन्होंने लिखा, 'मैं पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को इस अंतरिम या चुनावी सरकार का नेतृत्व सौंपने के आपके प्रस्ताव का पूर्ण समर्थन करता हूं। मैं आपकी समझ, बुद्धिमत्ता और एकता का तहे दिल से सम्मान करता हूं। इससे पता चलता है कि आप कितने परिपक्व हैं। मैं अपने उन दोस्तों से, जो इस समय नेतृत्व संभालने की जल्दी में हैं, यही कहना चाहता हूं कि देश को आपके जुनून, आपकी सोच और आपकी ईमानदारी की स्थायी रूप से जरूरत है, अस्थायी रूप से नहीं। इसके लिए चुनाव होंगे। कृपया जल्दबाजी न करें।' उन्होंने आगे लिखा, 'माननीय राष्ट्रपति जी, जेन-जी की ओर से लाई गई ऐतिहासिक क्रांति की रक्षा के लिए एक अंतरिम सरकार का गठन किया जाना चाहिए और संसद को अविलंब भंग किया जाना चाहिए।' शीला कार्की नेपाल में युवाओं के प्रदर्शन के समर्थन में एक बड़ी आवाज नेपाली सुप्रीम कोर्ट की पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की की रही। उन्होंने युवाओं के प्रदर्शन का न सिर्फ समर्थन किया, बल्कि सरकार की तरफ से प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग के आदेश के बाद खुद सड़कों पर उतर कर आंदोलन में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने सरकार की कार्रवाई को 'हत्या' करार दिया। बताया गया है कि युवाओं ने प्रदर्शन रोकने के बाद सुशीला कार्की को अंतरिम तौर पर नेपाल की सत्ता सौंपने के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाया। दरअसल, कार्की ने कहा था कि अगर 1000 युवा उनके पक्ष में हस्ताक्षर करेंगे तो ही वे सरकार की जिम्मेदारी संभालेंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उनके पक्ष में 2500 से ज्यादा वोट पड़े। भारत के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से की पढ़ाइ कार्की का जन्म सात जून 1952 को विराटनगर में हुआ था। उन्होंने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। इसके अलावा उन्होंने कानून की पढ़ाई नेपाल की त्रिभुवन यूनिवर्सटी से की। इसके बाद वकालत और कानूनी सुधारों के क्षेत्र में अपने करियर की शुरूआत की। सुप्रीम कोर्ट में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई ऐतिहासिक मामलों की सुनवाई की, जिनमें चुनावी विवाद भी शामिल थे। बालेंद्र (बालेन) शाह सिविल इंजीनियर-रैप आर्टिस्ट से नेता तक बालेन शाह काठमांडू के 15वें मेयर हैं। बालेन पेशे से सिविल इंजीनियर और रैपर भी रहे हैं। बालेन शाह ने साल 2022 में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में काठमांडू मेयर चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया था। बालेन शाह लोगों के बीच, खासकर युवा पीढ़ी में खासे लोकप्रिय हैं। बालेन शाह अपने समर्थकों से जुड़ने के लिए पारंपरिक मीडिया के बजाय सोशल मीडिया पर खासे सक्रिय रहते हैं, जिससे युवा पीढ़ी उनसे जुड़ी। भारत से की है इंजीनियरिंग की पढ़ाई बालेंद्र (बालेन) का छात्र जीवन में भारत से भी रिश्ता रहा है। उन्होंने इजीनियरिंग में स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर्नाटक से की है। संगीतकार, रैपर, कवि, इंजीनियर से नेता बने शाह का नाम देश के अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में चला। बालेंद्र का जन्म 27 अप्रैल, 1990 को काठमांडू के नरदेवी में एक मैथिल मूल के मधेशी परिवार में हुआ। उनके पिता राम नारायण शाह एक आयुर्वेदिक चिकित्सक हैं। उनके पिता आयुर्वेदिक अस्पताल में तैनाती के बाद मधेश प्रांत के महोत्तरी जिले से काठमांडू आए थे। बालेन शाह ने 12वीं की पढ़ाई वीएस निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल से की। उन्होंने हिमालयन व्हाइटहाउस इंटरनेशनल कॉलेज से सिविल इंजीनियरिंग की और बाद में कर्नाटक में विश्वेश्वरैया प्रौद्योगिकी यूनिवर्सिटी (वीटीयू) से स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग में मास्टर डिग्री हासिल की। टाइम मैगजीन ने उभरते नेताओं की सूची में शामिल किया साल 2023 में टाइम मैगजीन ने शाह को टॉप 100 उभरते नेताओं की सूची में शामिल किया था, जबकि न्यूयॉर्क टाइम्स ने भी उनकी तारीफ की। बालेन शाह की लोकप्रियता को देखते हुए उन्हें नेपाल की राजनीति में नई उम्मीद माना जा रहा है। जेनजी के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने फेसबुक पर लिखा कि 'भले ही वे आयु सीमा (28 वर्ष से कम) के कारण प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सकते, लेकिन उनकी पूरी सहानुभूति और समर्थन प्रदर्शनकारियों के साथ है।' उन्होंने राजनीतिक दलों और नेताओं से आंदोलन का दुरुपयोग न करने की अपील भी की। भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता की आगः कहीं सेना का शासन, कहीं साल भर से चुनाव नहीं; अब नेपाल में अशांति ओली से रही बालेन शाह की अदावत बालेन शाह को केपी शर्मा ओली का विरोधी माना जाता है। दोनों के बीच अदावत की वजह थी कि बीते साल काठमांडू मेट्रोपोलिटन सिटी ने नियमों का पालन नहीं करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की। इस कार्रवाई की जद में कई नेता भी आए। ऐसे में काठमांडू मेट्रोपोलिटन सिटी का विरोध शुरू हो गया। बालेन शाह ने इसके लिए पीएम केपी शर्मा ओली पर निशाना साधा। इसके बाद मेट्रोपोलिटन सिटी के हजारों कर्मचारियों को कई महीनों तक सैलरी नहीं मिली थी। बालेन शाह ने इन कर्मचारियों को समर्थन दिया था और सरकार को चेतावनी दे डाली थी। इस मामले को लेकर खूब विवाद हुआ और बालेन शाह लोगों की नजरों में आ गए। नेपाली जनता भ्रष्टाचार के चलते राजनीतिक दलों से नाराज चल रही है, लेकिन बालेन शाह किसी पार्टी से जुड़े हुए नहीं हैं और ये बात भी उनके पक्ष में जाती है।

महिंदा राजपक्षे छोड़ेंगे सरकारी आवास, श्रीलंका में पूर्व राष्ट्रपतियों के विशेषाधिकार खत्म

कोलंबो , श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को नया कानून लागू होने के बाद कोलंबो स्थित सरकारी आवास खाली करना पड़ेगा। संसद ने पूर्व राष्ट्रपतियों के विशेषाधिकार खत्म करने वाले बिल को भारी बहुमत से पारित किया, जिसे सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी भी मिली। इसके बाद अब तीन पूर्व राष्ट्रपतियों की सुविधाएं बंद होंगी। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे गुरुवार को अपने आधिकारिक आवास से बाहर निकलने वाले हैं। यह फैसला संसद में पारित एक नए कानून के बाद आया है, जिसने पूर्व राष्ट्रपतियों को मिलने वाले विशेषाधिकार खत्म कर दिए हैं। राजपक्षे का आधिकारिक आवास कोलंबो के प्रमुख इलाके सिनेमन गार्डन में स्थित है। महिंदा राजपक्षे 2015 से यहां रह रहे थे। वे 2005 से 2015 तक श्रीलंका के राष्ट्रपति रहे और इसके पहले 2004-2005 इसके साथ बाद में 2019-2022 तक प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। श्रीलंका में इस कानून को मिली मंजूर पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे को इसलिए अपना आवास खाली करना पड़ रहा है क्योंकि बुधवार को श्रीलंका की संसद ने भारी बहुमत से पूर्व राष्ट्रपतियों के विशेषाधिकार खत्म करने वाले कानून को मंजूरी दे दी। यह कानून पूर्व राष्ट्रपतियों और उनकी विधवाओं को मिलने वाले विशेषाधिकारों को खत्म करता है। इस बिल को सुप्रीम कोर्ट ने भी मंजूरी दी, जिससे श्रीलंका पोडुजाना परेमुना (एसएलपीपी) पार्टी के विरोध के बावजूद यह कानून लागू हो सका। श्रीलंका में वर्तमान में पांच पूर्व राष्ट्रपति जीवित हैं, जिनमें से तीन इस समय सरकार की सुविधाओं का लाभ उठा रहे थे। अब ये सुविधाएं समाप्त हो जाएंगी। तमगले में है महिंदा का निजी घर बता दें कि महिंदा राजपक्षे का निजी घर तमगले में है, जो कोलंबो से लगभग 190 किलोमीटर दक्षिण में है। यही वह जगह है जहां से उन्होंने 1970 में राजनीतिक सफर शुरू किया था। राजपक्षे गुरुवार को उसी घर के लिए रवाना होंगे। हालांकि 2022 में जब देश में बड़े जनआंदोलन के दौरान उनके छोटे भाई और उस समय के राष्ट्रपति गोताबाया राजपक्षे को पद छोड़ना पड़ा, तब महिंदा के आधिकारिक और निजी आवास दोनों पर प्रदर्शनकारियों ने कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए।

कतर ने की हमास नेताओं पर इस्राइली हमले की निंदा, कहा- नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई की उम्मीद खत्म कर दी

दोहा , इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हमला किया था। इसमें हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। इस पर कतर के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमला करके गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की उम्मीद को खत्म कर दिया। कतर ने हमास नेताओं को निशाना बनाकर दोहा में किए गए इस्राइली हमले की निंदा की है। कतर के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमला करके गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की उम्मीद को खत्म कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में पेश होने से पहले प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और खाड़ी देशों ने इस्राइली हमलों को क्रूर कृत्य बताया। शेख मोहम्मद ने कहा कि हमले वाली सुबह मैं एक बंधक के परिवार से मिल रहा था। वे युद्धविराम मध्यस्थता पर भरोसा कर रहे हैं। उन्हें इससे ज्यादा कोई उम्मीद नहीं है। मुझे लगता है कि नेतन्याहू ने जो किया, उससे उन बंधकों की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं। कतर और मिस्र गाजा में युद्ध विराम के प्रयासों में मध्यस्थता कर रहे हैं। कतर ने वर्षों से दोहा में हमास के राजनीतिक नेतृत्व की मेजबानी की है। ताकि हमास और इस्राइल के बीच बातचीत आगे बढ़ाई जा सके। आतंकियों को कटघरे में लाएंः नेतन्याहू कतर के प्रधानमंत्री के बयान से पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमलों का बचाव किया और कतर के खिलाफ आगे की कार्रवाई की धमकी दी। नेतन्याहू ने कहा कि मैं कतर और उन सभी देशों से कहता हूं जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं या तो उन्हें खदेड़ दें या फिर उन्हें न्याय के कटघरे में लाएं। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, तो हम करेंगे। इस्राइल ने क्या किया? इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हमला किया था। इसमें हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है। हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए। इसमें गाजा में हमास के नेता और उसके शीर्ष वातार्कार खलील अल-हय्या का बेटा, तीन अंगरक्षक और अल-हय्या के कार्यालय का प्रमुख शामिल है। कतर के सरकारी प्रसारक अल जजीरा ने हमले को क्रूर आक्रमण बताया है।

कतर ने की हमास नेताओं पर इस्राइली हमले की निंदा, कहा- नेतन्याहू ने बंधकों की रिहाई की उम्मीद खत्म कर दी

दोहा, इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हमला किया था। इसमें हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। इस पर कतर के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमला करके गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की उम्मीद को खत्म कर दिया। कतर ने हमास नेताओं को निशाना बनाकर दोहा में किए गए इस्राइली हमले की निंदा की है। कतर के प्रधानमंत्री ने कहा कि इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमला करके गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए लोगों को रिहा करने की उम्मीद को खत्म कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में पेश होने से पहले प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी और खाड़ी देशों ने इस्राइली हमलों को क्रूर कृत्य बताया। शेख मोहम्मद ने कहा कि हमले वाली सुबह मैं एक बंधक के परिवार से मिल रहा था। वे युद्धविराम मध्यस्थता पर भरोसा कर रहे हैं। उन्हें इससे ज्यादा कोई उम्मीद नहीं है। मुझे लगता है कि नेतन्याहू ने जो किया, उससे उन बंधकों की सारी उम्मीदें खत्म हो गईं। कतर और मिस्र गाजा में युद्ध विराम के प्रयासों में मध्यस्थता कर रहे हैं। कतर ने वर्षों से दोहा में हमास के राजनीतिक नेतृत्व की मेजबानी की है। ताकि हमास और इस्राइल के बीच बातचीत आगे बढ़ाई जा सके। आतंकियों को कटघरे में लाएंः नेतन्याहू कतर के प्रधानमंत्री के बयान से पहले इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमलों का बचाव किया और कतर के खिलाफ आगे की कार्रवाई की धमकी दी। नेतन्याहू ने कहा कि मैं कतर और उन सभी देशों से कहता हूं जो आतंकवादियों को पनाह देते हैं या तो उन्हें खदेड़ दें या फिर उन्हें न्याय के कटघरे में लाएं। अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, तो हम करेंगे। इस्राइल ने क्या किया? इस्राइली वायुसेना ने मंगलवार को हमास के नेताओं को निशाना बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में बड़ा हमला किया था। इसमें हमास के नेताओं की मौत हो गई थी। कतर पर हुए हमले की मध्य पूर्व और उसके बाहर कई देशों ने व्यापक निंदा की। इसके बाद कतर और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया। साथ ही युद्ध को समाप्त करने और गाजा में हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को मुक्त कराने के लिए चल रही बातचीत खतरे में पड़ गई है। हमले के बाद हमास ने कहा कि उसके शीर्ष नेता हमले में बच गए, लेकिन पांच निचले स्तर के सदस्य मारे गए। इसमें गाजा में हमास के नेता और उसके शीर्ष वातार्कार खलील अल-हय्या का बेटा, तीन अंगरक्षक और अल-हय्या के कार्यालय का प्रमुख शामिल है। कतर के सरकारी प्रसारक अल जजीरा ने हमले को क्रूर आक्रमण बताया है।

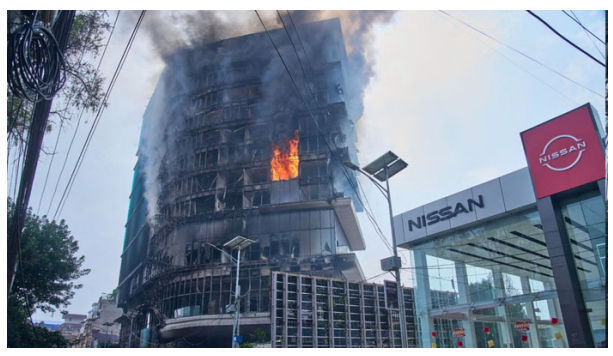

गोली चलते ही मचा हड़कंप...; जानें ट्रंप के वफादार चार्ली की हत्या के पीछे की पूरी कहानी, हमलावर अब भी फरार

वॉशिंगटन, अमेरिका में यूटा वैली यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम के दौरान ट्रंप समर्थक और कंजरवेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली उनके गले में लगी, जिससे मौके पर भगदड़ मच गई। यूनिवर्सिटी लॉकडाउन कर दी गई और सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान शुरू किया। हालांकि शुरूआती रिपोर्ट में गिरफ्तारी की बात कही गई थी, लेकिन हमलावर अब भी फरार है। अमेरिका में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और कंजरवेटिव एक्टिविस्ट चार्ली किर्क की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना यूटा वैली यूनिवर्सिटी के कैंपस में हुई, जहां किर्क छात्रों को संबोधित कर रहे थे। गोली लगते ही वहां भगदड़ मच गई और यूनिवर्सिटी को तुरंत लॉकडाउन करना पड़ा। शुरूआती रिपोर्ट में एक शख्स की गिरफ्तारी की बात कही गई थी, लेकिन बाद में अधिकारियों ने साफ किया कि असली हमलावर अब भी फरार है। चार्ली किर्क यूनिवर्सिटी कैंपस में एक कार्यक्रम के दौरान छात्रों से सवाल-जवाब कर रहे थे। इसी दौरान एक छात्र ने ट्रांसजेंडर अमेरिकियों से जुड़े सवाल पूछे। किर्क ने जवाब देते हुए कहा, बहुत ज्यादा। इसके तुरंत बाद गोली की आवाज गूंजी और माहौल में चीख-पुकार मच गई। वीडियो फुटेज में दिखा कि किर्क के गले में गोली लगी और वह खून से लथपथ होकर गिर पड़े। अंतिम पल और भगदड़ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गोली लगते ही किर्क माइक्रोफोन पकड़े हुए पीछे की ओर गिर गए। खून लगातार बह रहा था और लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। छात्रों ने बताया कि यह नजारा बेहद खौफनाक था, हर तरफ चीखें गूंज रही थीं और भगदड़ मच गई थी। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यूनिवर्सिटी बंद करने का आदेश गोलीबारी के तुरंत बाद यूटा वैली यूनिवर्सिटी को लॉकडाउन कर दिया गया। लगभग 47,000 छात्रों वाले इस बड़े कैंपस को ह्लसिक्योर इन प्लेसह्न आदेश जारी कर बंद कर दिया गया। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां संदिग्ध हमलावर की तलाश में जुट गईं। पहले कहा गया कि संदिग्ध को पकड़ लिया गया है,

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।